आरएनआई नं.-CHHHIN/2009/34957
डाक पं. क्रं. एल.एस.बी./जी2-112/सी.जी./बी.एल.पी./83/2020-22

सुविचार

ज्ञान ही वह नींव है जिस पर सफलता का झंडा लहरा सकता है।

-अज्ञात

तरुण पथ

हिन्दी दैनिक
खबरों की दौड़ में सबसे आगे

● वर्ष-16 ● अंक- 92 संस्करण : बिलासपुर एवं रायपुर से एक साथ प्रकाशित

● दि. आश्विन शुक्ल पक्ष अष्टमी/नवमीं, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024 बिलासपुर छ.ग. संस्करण ● dainiktarunpath@gmail.com फोन : 07752-296990 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1.00

राजस्थान सरकार पर पायलट का वार

चरमरा गई है कानून व्यवस्था-पायलट....

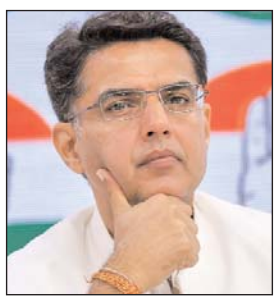

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने राजस्थान की भजनलाल सरकार पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि राजस्थान में नौकरशाही हावी हो चुका है। आम लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार के 10 महीनों में, आम चुनाव हो चुके हैं, कानून व्यवस्था चरमरा गई है, नौकरशाही चरम पर है। भाजपा पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है, सीएम अपने कर्तव्यों को निभाने के लिए स्वतंत्र नहीं हैं, और यह भ्रम केवल लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रहा है। उपचुनाव को लेकर सचिन पायलट ने कहा कि जब भी राजस्थान में उपचुनाव की घोषणा होगी, कांग्रेस सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा के चुनाव नतीजों का इन उपचुनावों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

एक युग का अंत : रतन टाटा दिग्गज उद्योगपति जो संत की तरह जीया

रतन टाटा का मुंबई में पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

मुंबई/ एजेंसी

प्रसिद्ध उद्योगपति एवं परोपकारी रतन टाटा का अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार शाम मध्य मुंबई स्थित एक शवदाह गृह में पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया. मुंबई पुलिस ने उन्हें श्रद्धांजलि और गार्ड ऑफ ऑनर दिया. वर्ली स्थित शवदाह गृह में टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा समेत उनके परिवार के सदस्य और टाटा समूह के अध्यक्ष एन चंद्रशेखरन समेत शीर्ष अधिकारी मौजूद थे. केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे सहित अन्य लोग भी शवदाह गृह में उपस्थित थे. शवदाह गृह में मौजूद एक धर्म गुरु ने बताया कि अंतिम संस्कार पारसी परंपरा के अनुसार किया गया. उन्होंने बताया कि अंतिम संस्कार के बाद दिवंगत उद्योगपति के दक्षिण मुंबई के कोलाबा स्थित बंगले में तीन दिन तक अनुष्ठान किए जाएंगे. पद्म विभूषण से सम्मानित रतन टाटा (86) का बुधवार रात शहर के एक अस्पताल में निधन हो गया. दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में शामिल रतन टाटा अपनी शालीनता और सादगी के लिए मशहूर रहे लेकिन वह कभी अरबपतियों की किसी सूची में नजर नहीं आए. वह 30 से ज्यादा कंपनियों के कर्ताधर्ता थे जो छह महाद्वीपों के 100 से अधिक देशों में फैली हैं लेकिन उन्होंने अपना जीवन एक संत की तरह जीया. रतन नवल टाटा ने बुधवार की रात 86 वर्ष की आयु में मुंबई के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली. सरल व्यक्तित्व के धनी टाटा एक कॉरपोरेट दिग्गज थे, वहीं अपनी शालीनता और ईमानदारी के बूते वह एक संत की तरह जिए. टाटा ने कभी शादी नहीं की. हालांकि, चार बार ऐसा हुआ जब उनकी शादी होने वाली थी. एक बार ऐसा तब हुआ जब वह अमेरिका में थे. उनके निधन से टाटा ट्रस्ट्स के शीर्ष पद पर एक खालीपन आ गया है, जिसके पास समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस का 66 प्रतिशत हिस्सा है. रतन टाटा के सौतेले भाई नोएल टाटा को उनके उत्तराधिकारी के रूप में एक मजबूत दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है. नोएल टाटा, स्टील और घड़ी कंपनी टाइटन के उपाध्यक्ष हैं. उनकी मां और रतन टाटा की सौतेली मां सिमोन टाटा इस समय ट्रेंट, वोल्टास, टाटा इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन और टाटा इंटरनेशनल की अध्यक्ष हैं. रतन टाटा के छोटे भाई जिम्मी पारिवारिक उद्योग से नहीं जुड़े हैं और कोलाबार के एक दो कमरों के मकान में रहते हैं. रतन टाटा का जन्म 1937 में एक पारंपरिक पारसी परिवार में हुआ था. उनके माता-पिता नवल और सूनी टाटा का तलाक होने के बाद उनकी दादी उन्हें अपने साथ ले आईं. उस समय रतन 10 वर्ष के थे. रतन टाटा 1962 में कॉर्नेल विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क से वास्तुकला में बी.एस. की डिग्री प्राप्त करने के बाद पारिवारिक कंपनी से जुड़ गए. वह कैलिफोर्निया में बसना चाहते थे लेकिन दादी की खराब सेहत की वजह से भारत लौट आए थे।

संक्षिप्त समाचार

एजाज खान की मुश्किलें बढ़ीं, एक्टर के ऑफिस में कस्टम डिपार्टमेंट ने मारा छापा

मुंबई। एक्टर एजाज खान एक बार फिर कानूनी पचड़े में फंसते नजर आ रहे हैं। एक्टर का विवादों से पुराना नाता रहा है और ये सभी जानते हैं। 2023 में एजाज 2021 के एक ड्रग केस के चलते हिरासत में लिए गए थे, लेकिन फिर उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। लेकिन, अब एक्टर एक और मुश्किल में फंस गए हैं। मुंबई कस्टम की स्पेशल पोस्टल इंटेलिजेंस ब्रांच ने यूरोपीय देश से आने वाली एक कंसाइनमेंट को ट्रैक किया और पता चला कि ये कंसाइनमेंट इसे वीरा देसाई इंडस्ट्रियल एस्टेट में एजाज खान के ऑफिस में पहुंचाया गया है। इसके बाद अभिनेता एजाज खान एक बार फिर कथित नशीली दवाओं के मामले में फंस गए हैं। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक बीते मंगलवार अभिनेता एजाज खान के मुंबई में अंधेरी स्थित ऑफिस में कस्टम डिपार्टमेंट की तरफ से सर्च किया गया।

विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा की भूमिका होगी और महत्वपूर्ण-सैनी

नई दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद अब राज्य में सियासी हलचल भी तेज हो गई है। नई सरकार के गठन को लेकर भाजपा नेताओं में मुलाकात का दौरे शुरू हो गया है। इसी बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं की मुलाकात प्रधानमंत्री आवास पर हुई। इस दौरान पीएम मोदी ने उन्हें विधानसभा चुनाव में शानदार जीत मिलने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस मुलाकात की फोटो भी शेयर की है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा,हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी से मिला और विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत के लिए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आगे लिखा, मुझे विश्वास है कि विकसित भारत के संकल्प में हरियाणा की भूमिका और महत्वपूर्ण होने जा रही है। इससे पहले हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पीएम मोदी से मुलाकात के बाद मीडिया से रूबरू हुए।

इसका उद्देश्य इस्लामिक राज्य की स्थापना करना है

केंद्र सरकार ने हिज्ब-उत-तहरीर पर लगाया प्रतिबंध-अमित शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार ने 1953 में यरुशलम में गठित वैश्विक इस्लामी कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर एचयूटी को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। इसके साथ ही सरकार ने कहा है कि- इस इस्लामी कट्टरपंथी समूह का उद्देश्य इस्लामिक राज्य की स्थापना करना है। एक अधिसूचना में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी भोले-भाले युवाओं को आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाने और प्रेरित करने के साथ-साथ आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में शामिल है। एचयूटी कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, सुरक्षित ऐप का उपयोग करके और भोले-भाले युवाओं को आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'दावाह' बैठकें आयोजित करके आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य देश के नागरिकों को शामिल करके जिहाद और आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को उखाड़ फेंककर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक राज्य और खिलाफत स्थापित करना है। जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। अधिसूचना में कहा गया है, चूंकि, केंद्र सरकार का मानना है कि हिज्ब-उत-तहरीर आतंकवाद में शामिल है और उसने भारत में कई आतंकवादी कृत्यों में भाग लिया है।

चुनाव हारने पर ईवीएम को दोष देना कांग्रेस की आदत :जीतन राम मांझी

नई दिल्ली। हरियाणा विधान सभा चुनाव में भाजपा को पूर्ण बहुमत मिला है। भाजपा लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने में कामयाब रही है। भाजपा जहां इस जीत से गदगद है, वहीं कांग्रेस ने हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणाम आने पर बुधवार को केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने बात की। उन्होंने कहा, हरियाणा में भाजपा की जीत का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को जाता है। मैं उनकी नीति की सराहना करता हूं। यहां की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों के साथ है।कांग्रेस ने हरियाणा चुनाव हार के बाद चुनाव आयोग और ईवीएम पर सवाल खड़े किए।

दिल्ली में विधायक फंड में की गई बड़ी बढ़ोतरी

विधायक निधि 10 करोड़ रूपए से बढ़ाकर 15 करोड़ कर दी गई

नई दिल्ली/ एजेंसी

नई दिल्ली दिल्ली में विधायक निधि में डेढ़ गुना का बढ़ोत्तरी की गई है। अब हर विधायक को हर साल 15 करोड़ रुपये मिलेंगे। इससे विधानसभा के स्तर पर सीवर, सड़क समेत दूसरी छोटी-छोटी समस्याओं का समाधान देने में सहूलियत होगी। गुरुवार को मुख्यमंत्री आतिशी की अध्यक्षता में दिल्ली कैबिनेट की बैठक में इसका फैसला लिया गया। मुख्यमंत्री आतिशी ने मीडिया को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि विधायक निधि 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 15 करोड़ कर दी गई है। इससे बीते 10 सालों से दिल्ली वालों की बेहतरी के लिए होने वाले काम आगे भी जारी रहेंगे। बकौल आतिशी, विधायक फंड लोकतंत्र में बेहद महत्वपूर्ण होता है। इससे आम लोग अपने क्षेत्र में छोटे-बड़े विकास कार्य अपने विधायक से करवा सकते हैं। अपना काम करवाने के लिए विधायक निधि एक तरीके से जनता की आवाज है। आतिशी का दावा है कि पूरे देश में किसी भी राज्य में इतनी विधायक निधि किसी भी सरकार ने नहीं दिया है। आंकड़े जारी करते हुए उन्होंने कहा कि गुजरात में यह 1.5 करोड़ रुपये व आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में सालाना 2 करोड़ रुपये है। वहीं, ओड़िशा, तमिलनाडु और मध्य-प्रदेश में यह 3 करोड़ रुपये है। इसके अलावा महाराष्ट्र, केरल, झारखंड, उत्तराखंड, राजस्थान, तेलंगाना की विधायक निधि 5 करोड़ रुपये है। शहरी विकास मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि इस साल बारिश ज्यादा हुई है। इससे सड़कों में टूट-फूट है।

शिंदे सरकार ने ले लिया बड़ा एक्शन

किशोर न्याय बोर्ड के 2 सदस्यों बर्खास्त.....

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में पुणे पोर्श हिट एंड रन केस में सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। पुणे पोर्श दुर्घटना मामले में किशोर आरोपी को नरम शर्तों के साथ जमानत पर रिहा करने के देने वाले किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) के दो सदस्यों को बर्खास्त कर दिया गया। दो सदस्यों की पहचान एल एन दानवाडे और कविता थोराट के रूप में की गई, इन सदस्यों के खिलाफ महिला एवं बाल विकास विभाग ने शिकायत दर्ज की थी। राज्य के अधिकारियों द्वारा कड़ी कार्रवाई डब्ल्यूसीडी विभाग (जो नाबालिग आरोपी को दी गई जमानत के संबंध में दो सदस्यों के आचरण की जांच कर रही थी) के नेतृत्व वाली एक समिति द्वारा सदस्यों द्वारा प्रक्रियात्मक खामियों का हवाला दिए जाने के बाद की गई है। डब्ल्यूसीडी विभाग के आयुक्त प्रशांत नारनवरे ने मीडिया को बताया कि मैंने राज्य सरकार को जांच पैनल की रिपोर्ट दी थी और सिफारिश की थी।

बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 16 जिलों के 4 लाख लोग प्रभावित

पटना। बिहार में कोसी और गंडक सहित सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं। हालांकि, राहत वाली बात है कि वीरपुर के कोसी बैराज, वाल्मीकिनगर के गंडक बैराज पर जलस्राव में कमी आयी है। प्रदेश के 16 जिलों के 31 प्रखंड के चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। जल संसाधन विभाग के मुताबिक, वीरपुर बैराज में कोसी का जलस्राव सोमवार को सुबह छह बजे 2,65,530 क्यूसेक था जबकि 10 बजे यह घटकर 2,54,385 क्यूसेक हो गया है। इसी तरह वाल्मीकिनगर बैराज में सुबह 10 बजे गंडक का जलस्राव भी 1,55,600 लाख क्यूसेक है। इस बीच, प्रदेश की सभी प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

नेशनल कॉन्फ्रेंस को मिला 4 निर्दलीय विधायकों का समर्थन

नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल की बैठक खत्म सर्वसम्मति से उमर चुने गए विधायक दल के नेता

श्रीनगर/एजेंसी

नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक दल की बैठक आज नवाई सुबाह पार्टी मुख्यालय में शुरू हुई, जिसमें पार्टी के नेता फारूक अब्दुल्ला, उमर अब्दुल्ला और सभी नवनिर्वाचित विधायक उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से उमर अब्दुल्ला को विधायक दल का नेता चुना गया है। पार्टी अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि उमर अब्दुल्ला को बैठक में अपना नेता चुना गया। सरकार गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए गठबंधन सहयोगियों की बैठक शुक्रवार को होगी। बैठक से पहले, कुछ नेताओं ने मीडिया से बातचीत की। तनवीर सादिक ने कहा, हम अपने वादों पर कायम रहेंगे। जम्मू-कश्मीर को एक मजबूत और जीवंत नेतृत्व की आवश्यकता है और मुझे नहीं लगता कि उमर अब्दुल्ला से बेहतर कोई और हो सकता है। हसनैन मसूदी ने बताया, सरकार बनने के साथ ही हम अनुच्छेद-370 की बहाली पर काम करना शुरू कर देंगे। हम उन सभी वादों को पूरा करेंगे जो एनसी ने अपने पार्टी घोषणापत्र में किए थे। बैठक के बाद एक अन्य नेता सलमान सागर ने कहा कि हमारे लिए यह भावुक पल था जब हमने उमर अब्दुल्ला को सीएम पद के लिए नामित किया। फारूक अहमद शाह ने कहा, लोगों ने एनसी पर भरोसा दिखाया है। हम अपने नेताओं के सुझावों पर कायम रहेंगे। जम्मू-कश्मीर को एक मजबूत और प्रभावी सरकार की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि एनसी अनुच्छेद-370 की बहाली और अगस्त 2019 में छीने गए अधिकारों के लिए भी लड़ाई जारी रखेगी। जावेद अहमद बेग ने कहा, चूंकि लोगों ने एनसी पर भरोसा दिखाया है, हम अपने युवाओं को रोजगार देने पर काम करेंगे। हम उन मुद्दों पर भी ध्यान देंगे जो अनुच्छेद-370 के निरस्त होने के बाद अनसुलझे रह गए हैं। सुरिंदर चौधरी ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों ने उनके खिलाफ मतदान करके 2019 के भाजपा के फैसले को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। भाजपा ने जम्मू-कश्मीर के हर पहलू की उपेक्षा की है और लोगों ने उन्हें हराकर वोटों से जवाब दिया है।

21वें आसियान-भारत सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने कहा

हम शांतिप्रिय देश हैं...एक-दूसरे का सम्मान करते हैं-मोदी....

विएंतियान/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को 21वें आसियान-भारत सम्मेलन में कहा कि हम शांतिप्रिय देश हैं और एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। हम अपने युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व संघर्ष और तनाव का सामना कर रहा है, भारत-आसियान मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। सम्मेलन में संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा कि आसियान परिवार के साथ 11वीं बार इस बैठक में शामिल होने पर गर्व महसूस हो रहा है। दस साल पहले उन्होंने भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति की घोषणा की थी। इन 10 वर्षों में इस नीति ने भारत और आसियान देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को नई ऊर्जा, दिशा और गति दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने लाओस के वियनतियाने में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए जोर देकर कहा कि भारत की एक्ट ईस्ट नीति ने नई दिल्ली और आसियान देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को ऊर्जा और गति दी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक संघर्षों के मद्देनजर आज भारत-आसियान सहयोग की बहुत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत-आसियान पड़ोसी हैं, ग्लोबल साउथ में साझेदार हैं और दुनिया में तेजी से बढ़ता हुआ क्षेत्र हैं । पीएम मोदी ने आगे कहा कि भारत-आसियान शांतिपूर्ण राष्ट्र हैं, एक-दूसरे की राष्ट्रीय एकता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान क्षेत्र के देशों के साथ बहुपक्षीय सहयोग बढ़ाने के लिए भारत द्वारा की गई अन्य पहलों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष, क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के लिए समुद्री अभ्यास शुरू किया गया था। पिछले 10 वर्षों में आसियान क्षेत्र के साथ हमारा व्यापार लगभग दोगुना होकर 130 बिलियन डॉलर से अधिक हो गया है। आज भारत के पास 7 आसियान देशों के साथ सीधी उड़ान कनेक्टिविटी है और बहुत जल्द, ब्रुनेई के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू हो जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि हमने तिमोर लेस्ते में नए वाणिज्य दूतावास खोले हैं। सिंगापुर आसियान क्षेत्र का पहला देश था, जिसके साथ हमने फिनटेक कनेक्टिविटी स्थापित की और अब इसे अन्य देशों में भी दोहराया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का लगभग सात आसियान देशों के साथ सीधा उड़ान संपर्क है और ब्रुनेई के साथ भी यही शुरू होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि जन-केंद्रित दृष्टिकोण हमारी डेवेलपमेंट पार्टनरशिप का आधार है। 300 से अधिक आसियान छात्रों को नालंदा यूनिवर्सिटी में स्कॉलरशिप का लाभ मिला है। विश्वविद्यालय का नेटवर्क लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि लाओस, कंबोडिया, वियतनाम, म्यांमार, इंडोनेशिया में साझी विरासत और संरक्षण के लिए काम किया गया है।

चाहे कोविड महामारी हो या प्राकृतिक आपदा, हमने एक-दूसरे की मदद की है। भारत ने कई क्षेत्रों में सहयोग के लिए भारत-आसियान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कोष, हरित कोष और डिजिटल कोष में 30 मिलियन डॉलर का योगदान भी दिया है।

सार-समाचार

प्रधानमंत्री आवास पूर्ण करने एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के सफल क्रियान्वयन हेतु लगाया गया चौपाल

सूरजपुर संवाददाता/ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ के द्वारा जनपद पंचायत ओडगी अंतर्गत ग्राम पंचायत अवंतिकापुर एवं ग्राम पंचायत कुबेरपुर में आवास चौपाल लगाकर आवास हितग्राहियों को समय-सीमा में आवास पूर्ण करने हेतू निर्देशित किया गया एवं कम समय में आवास पूर्ण करने वाले हितग्राहियों को सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू के हाथों प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया कराया गया। साथ ही स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अन्तर्गत डोर टू डोर कचरा संग्रहण करने, सुखा कचरा, गिला कचरा, प्लास्टिक प्रतिबंधित करने व एसएलआरएम शेड में साफसफाई करने के लिए निर्देश दिया गया। तत्पश्चात सीईओ के द्वारा उप जनपद कैंप बिहारपुर के पंचायत भवन में बिहारपुर सेक्टर के अंतर्गत आने वाले 25 ग्राम पंचायतों के सचिव एवं रोजगार सहायकों का आवास, स्वच्छ भारत मिशन के निर्माण कार्यो का समीक्षा बैठक लिया गया। जिसमें समय-सीमा में आवास, एलएलआरएम शेड, सामुदायिक शौचालय निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु निर्देश दिया गया। बैठक में उपस्थित जनपद पंचायत ओडगी के सीईओ, मनरेगा पीओ, पीएमएवाई, तकनीकि सहायक, एसबीएम कलस्टर समन्वयक, आरईएस सब इंजीनियर व मनरेगा तकनीकी सहायक उपस्थित रहे।

दीपावली त्यौहार में पटाखा दुकानों के संचालन को लेकर जारी की गई एडवाइजरी

सूरजपुर संवाददाता/ जिले में संचालित समस्त स्थायी व अस्थायी पटाखा दुकानों में आग से बचाव एवं सावधानी के लिये नगर सेना अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा एसडीआरएफ मुख्यालय नवा रायपुर द्वारा एडवाइजरी जारी किया गया है। जांच के दौरान इन तय किए गए नियमों का पालन नहीं करने पर छ.ग. अग्निशमन आपातकालीन सेवा अधिनियम 2018 व छत्तीसगढ़ एवं आपातकालीन नियमावली 2021 के तहत कार्यवाही किया जायेगा। नगर सेना अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा एसडीआरएफ मुख्यालय नवा रायपुर द्वारा जारी एडवाइजरी इस प्रकार हैं कि पटाखा दुकान किसी भी ज्वलनशील पदार्थ जैसे, कपडा, बांस, रस्सी, टेंट इत्यादि का न होकर अज्वलनशील सामग्री से बने टिन (शेड) द्वारा निर्मित होना चाहिए। पटाखा दुकान एक दूसरे से कम से कम तीन मीटर की दूरी (साईड) पर एवं एक दुसरे के सामने न बनाई जाएं। पटाखा दुकानों में प्रकाश व्यवस्था हेतु किसी भी प्रकार के तेल का लैंप, गैस लैंप एवं खुली बिजली बत्ती का प्रयोग प्रतिबंधित होना चाहिये। किसी भी पटाखा दुकान से 50 मीटर के अंदर आतिशबाजी प्रदर्शन प्रतिबंधित होना चाहिए। विद्युत तारों में ज्वाइंट खुला नहीं होना चाहिए एवं प्रत्येक मास्टर स्विच में फ्यूज या सर्किट ब्रेकर लगा होना चाहिए, जिससे शार्ट सर्किट की स्थिति में विद्युत प्रवाह स्वत: बन्द हो जाए। दुकानो ट्रांसफार्मर के पास न हो और उनके ऊपर से हाई टेंशन पावर लाईन न गुजरती हो। प्रत्येक पटाखा दुकान में 05 किग्रा. क्षमता का डीसीपी अग्निशामक यंत्र होना चाहिए। इसकी मारक क्षमता 6 फिट की होती है। दुकानों के सामने कुछ अंतराल में 200 लीटर क्षमता के पानी के ड्रम की व्यवस्था बाल्टियों के साथ होनी चाहिए। पटाखा सुपर हीरो के सामने बाइक व कार की पार्किंग पर प्रतिबंध होना चाहिए। अग्निशमन विभाग एवं एम्बुलेंस का फोन नम्बर, दुकान परिसर के कुछ स्थानों में लगाया जाए। अग्निशमन वाहन के मूवमेंट के लिए पर्याप्त स्थान होना चाहिए।

लरंगसाय कम्युनिटी हॉल में मची डांडिया की धूम

रामानुजगंज। रामानुजगंज सुपर डांडिया क्लब के द्वारा दो दिवसीय डांडिया महोत्सव का आयोजन स्थानीय लरंगसाय कम्युनिटी हाल के शेड में आयोजित किया गया पहले दिन जहां मूसलाधार बारिश के बीच बड़ी संख्या में लोग डांडिया महोत्सव में सम्मिलित हुए वहीं दूसरे दिन तो शेड छोटा पड़ गया देर रात तक लोग यहां झूमते रहे। डांडिया महोत्सव की भव्यता देखते बन रही थी। डांडिया महोत्सव आयोजन समिति के पियूष गुप्ता, क्षितिज केसरी एवं आर्यन केसरी ने बताया कि आयोजन के दूसरे दिन डांडिया महोत्सव में उमड़े जन सैलाब के कारण शेड छोटा पड़ गया था। विगत कई वर्षों से आयोजन हम लोगों के द्वारा कराया जाता रहा है परंतु इस बार शारदीय नवरात्रि में 7 एवं 8 अक्टूबर आयोजन को काफी भव्य रूप से आयोजित किया गया था।

जमीन कारोबारी कों नकली सोने का सिक्का दिखाकर डकैती कारित करने के मामले में सरगुजा पुलिस कों मिली सफलता, मामले का फरार आरोपी किया गया गिरफ्तार

आरोपियों द्वारा पुराने सोने के सिक्के कों एक साथ सस्ते दर में बेचने की बात बताकर प्रार्थी कों झांसे में लेकर डकैती की घटना कों दिया गया था अंजाम

थाना उदयपुर पुलिस टीम द्वारा आरोपी कों थाना पसान कोरबा से गिरफ्तार कर की गई सख्त वैधानिक कार्यवाही

आरोपी के कब्जे से सोने के चैन का रुद्राक्ष माला कुल किमती लगभग 02 लाख रुपये किया गया बरामद।

मामले के अन्य फरार आरोपियों का पता तलाश जारी हैं, जल्द ही शेष आरोपी कर लिए जायेंगे गिरफ्तार

अंबिकापुर/ सरगुजा पुलिस द्वारा आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध लगातार सख्ती से कार्यवाही कर धरपकड़ की जा रही हैं, इसी क्रम में मामले का संछिप्त विवरण इस प्रकार हैं कि दिनांक 10/08/24 कों प्रार्थी नवल किशोर जायसवाल साकिन वार्ड कं.01 मुंगेली जिला मुंगेली छ.ग. थाना उदयपुर आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि घटना दिनांक 10/08/24 कों करीब शाम 06.00 बजे प्रार्थी अपने अन्य साथियो के साथ ग्राम डांडगावं उदयपुर में जमीन खरीद बिकी करने के लिए जमीन देखने आया था और डांडगांव बाजार के पास जमीन मालिक प्रार्थी कों जमीन दिखा रहा था कि पीछे से दो अज्ञात लोग मोटर सायकल से आए और मौके पर पहले से मौजूद अज्ञात महिला, तीनो मिलकर प्रार्थी कों चाकू दिखाकर कुल 306500/- रूपये एवं एक सोने के चेन का रुद्राक्ष माला, मोबाईल, आधार कार्ड, पैनकार्ड को लूट कर भाग गये प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना उदयपुर में अपराध क्रमांक 179/24 धारा 309, 318, 310 (2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

दौरान विवेचना पुलिस टीम द्वारा पूर्व मे मामले मे शामिल आरोपी (01) पन्ना कुर्रे (02)गौरी सोनी (03)विजय जायसवाल (04)तेरसा राम प्रजापति (05) विश्वप्रसाद (06) विजय कुमार आदिले कों पूर्व मे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया था एवं मामले मे शामिल अन्य फरार आरोपियों का पता तलाश किया जा रहा था, पुलिस टीम के सतत प्रयास से मामले मे शामिल आरोपी श्याम रतन सोनी उर्फ़ दादी की घेराबंदी कर पकड़कर पूछताछ किया गया, जो आरोपी द्वारा अपना नाम श्याम रतन सोनी उर्फ़ दादी उम्र 49 वर्ष साकिन सिरमिना चौकी कोरबी थाना पसान जिला कोरबा का होना बताया, आरोपी से घटना के सम्बन्ध में पूछताछ करने पर बताया गया कि पूर्व में जमीन कारोबारी से सम्पर्क हुआ था, जमीन कारोबारी कों सोने जैसा दिखने वाला सिक्का दिखाकर सस्ते दर पर काफी मात्रा में बेचने की बात बताकर झांसे में लेकर आरोपियों द्वारा प्रार्थी कों उदयपुर डांडगाँव बुलाकर उक्त सोने के नकली सिक्कों कों दिखाकर झांसे में लेकर प्रार्थी कों चाकू दिखाकर कुल 306500/- एवं सोने के चैन का रुद्राक्ष माला सहित अन्य समान की डकैती करना स्वीकार किया गया, आरोपियों द्वारा उपरोक्त डकैती के रकम से प्राप्त रुपये कों आपस में बाट लेना बताया गया था, पुलिस टीम द्वारा मामले मे पूर्व मे गिरफ्तार 06 आरोपियों के कब्जे से 195500/- रुपये नगद एवं घटना में प्रयुक्त 04 नग मोटरसायकल बरामद किया गया था, आरोपी द्वारा घटना कारित किया जाना स्वीकार किया गया, पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से घटना के दौरान लुटे गए सोने के चैन का रुद्राक्ष माला बरामद किया गया हैं, आरोपी के विरुद्ध अपराध सबूत पाये जाने से गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जाता हैं, मामले में शामिल अन्य आरोपी घटना दिनांक से फरार हैं, जिनकी पता तलाश की जा रही हैं, जल्द ही प्रकरण के फरार आरोपी गिरफ्तार कर लिए जायेंगे।

सम्पूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी उदयपुर निरीक्षक कुमारी चंद्राकर, सहायक उप निरीक्षक सहदेव बर्मन, प्रधान आरक्षक देवनारायण सिंह, आरक्षक विवेक सिंह, नन्दलाल शामिल रहे।

पहाड़ी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

छत्तीसगढ़ के साथ झारखंड से भी श्रद्धालु माथा टेकने पहुंचे

रामानुजगंज। जिले के प्रमुख आस्था के केंद्रों में एक पहाड़ी माई मंदिर एवं नगर के वार्ड क्रमांक 9 में कन्हर नदी के तट पर स्थित मां महामाया मंदिर में शारदीय नवरात्र के पहले दिन से ही भक्तों की भीड़ पूजा अर्चना के लिए उमड़ पड़ी थी। आज महा अष्टमी के दिन पट खुलते नगर के दोनों प्रमुख आस्था केंद्रों में श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ पड़ा। छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पड़ोसी राज्य झारखंड से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां मत्था टेकने पहुंचे।

गौरतलब है कि शारदीय नवरात्र को लेकर पहाड़ी माई मंदिर एवं महामाया मंदिर में कई दिन पूर्व से तैयारियां प्रारंभ कर दी जाती है वही यहां की सजावट देखते बनती है। दोनों स्थानों पर दर्जनों की संख्या में अखंड दीप भी जलाए जाते है। क्षेत्र वासियों की दोनों प्रमुख आस्था के केंद्रों में अटूट आस्था है। पहाड़ी मंदिर में आज हजारों श्रद्धालु पूजा अर्चना करने पहुंचे। बड़ी संख्या में भक्तो ने पैदल भी ऊपर तक चढ़ाई कि। पहाड़ी माई मंदिर समिति के सुभाष जायसवाल, रमन अग्रवाल, गोपाल गुप्ता, अशोक केशरी सहित अन्य लोगो द्वारा आज विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया जिसमे पहाड़ी माई मंदिर समिति से जुड़े अन्य लोग सक्रिय रहे।

पट खुलते ही दुर्गा पंडालों में पूजा अर्चना के लिए लगी भीड़ नगर के सभी दुर्गा पंडालों का पट सप्तमी को खुला इसके बाद से ही पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। इस बार नगर के सभी दुर्गा पंडालों की विशेष सजावट विशेष आकर्षण का केंद्र है।

नेताम ने महामाया मंदिर में टेका मत्था, सामुदायिक भवन बनाने की की घोषणा कृषि मंत्री राम विचार नेताम अपने रामानुजगंज प्रवास के दौरान मां महामाया मंदिर मत्था टेकने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भक्तों से बातचीत भी की एवं महामाया मंदिर में सामुदायिक भवन बनाने की घोषणा की गौरतलब है कि बड़ी संख्या में महामाया मंदिर में बहुत शादियां होती हैं परंतु सामुदायिक भवन नहीं होने से काफी परेशानी होती थी। वही यहां पर काफी संख्या में संत भी आते हैं जिनके रुकने में परेशानी होती है। इन सबको देखते हुए श्री नेताम की घोषणा का नगर वासियों ने स्वागत किया।

सुखरी में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनकर तैयार

ग्रामीणों की मांग पर पूर्व उपमुख्यमंत्री ने की थी राशि आवंटित

अम्बिकापुर/ अम्बिकापुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सुखरी में क्षेत्र का एक बड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बन कर तैयार हो गया है जिसका लोर्कापर्ण कर अब आमजनों के लिये खोल दिया गया है। क्षेत्र में एक बड़े स्वास्थ्य केन्द्र की मांग लम्बे समय से थी। प्रदेश में पूर्ववर्ती कांग्रेस के शासनकाल में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री टी एस सिंह देव ने तब क्षेत्रवासियों की मांगों को ध्यान में रखते हुए 75 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाने हेतु राशि का आवंटन किया था। सुविधाओ को बढ़ाने के लिये 25 लाख रूपये और उपलब्ध कराया गया था। इस तरह से कुल एक करोड़ रूपये की लागत से उस प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण किया गया है। जो कि क्षेत्र के लोगों के स्वास्थ्य सुविधा हेतु बहुउपयोगी सीध होगा। यह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र 20 बेड का होगा जो कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के मापदण्ड से अधिक है। इस क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिल सके इसलिये यहां पर राशि भी बढ़ा कर दी गई और अब हॉस्पिटल के निर्माण पूर्ण होने के बाद 9 अक्टूबर को इसका लोर्कापर्ण सम्पन्न हुआ।

लोर्कापर्ण के दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मधु सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव, जिला कांग्रेस के अध्यक्ष राकेश गुप्ता, जनपद अध्यक्ष ननकी सिंह, ब्लॉक कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष विनय शर्मा, मुनेश्वर राजवाड़े, गोलू सिद्दीकी सहित काफी संख्या में आमजन उपस्थित थे। इस दौरान आदित्येश्वर शरण सिंह देव ने आमजनों से बात करते हुए कहा कि आप लोगों की एक बहुप्रतिक्षित मांग अब पूर्ण हो गई है। पूर्ववर्ती सरकार के द्वारा इसके लिये राशि का आवंटन किया गया था और यह एक बड़ा हॉस्पिटल है जो क्षेत्र की जरूरतों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। जहां पर इस क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा।

दवना मे ब्लॉक स्तरीय दसाई कर्मा का भव्य आयोजन

रामानुजनगर संवाददाता रामानुजनगर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत दवना मे दसाई कर्मा का आयोजन कार्यकर्म के मुख्य अतिथि भूलन सिंह मराबी प्रेमनगर विधायक विशिष्ट अतिथि लाल केश्वर सिंह सरपंच परशुरामपुर व अमर सिंह सरपंच प्रतिनिधि की अध्यक्षता मे कार्यक्रम आयोजित हुआ कर्म देव पूजा गांव के बैगा द्वारा पारंपरिक रूप से किया गयाअतिथियों का स्वागत अक्षत टिका व पीला साफी बांध कर किया गया, विधायक भूलन सिंह ने सम्बोधित करते हुए आयोजन समिति को बधाई और धन्यवाद ज्ञापित किया,कहा की आज हमारे आदिवासी सांसांस्कृति को बचाने के लिए सगा समाज और युवक युतितियों का बड़ा योग दान है जिससे यह संस्कृति बची हुई हैं कहा प्रतिवर्ष इस तरह के आयोजन से हमारे आदिवासी परम्परा का को जीवित रखना हम सब की जिम्मेदारी है,उन्होंने तीन लाख रूपये की मंच निर्माण की घोषणा किया प्रतियोगिता,मे विजेता टीम को 5100.उप विजेता टीम को 3100..एवं तीसरे विजेता टीम को 2500.रूपये नगद प्रदान किया गया,इस अवसर पर पिताबर सिंह, विजय सिंह, मानिक चंद, , बीरेंद्र सिंह, खेल साय राजवाड़े, सोभाग्य दुबे परमेश्वर साहू, कमलेश सिंह, रवि सिंह अर्मो सहित आयोजन समिति के लोग उपस्थित थे

सरगुजा के लोकनृत्यों ने कला केंद्र में अद्भुत छटा बिखेरी

किसी भी समाज की पहचान उसकी कला व संस्कृति से होती है- टी एस सिंहदेव

३सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विजयादशमी महोत्सव अंतर्गत सांस्कृतिक लोक नृत्य प्रतियोगिता आज स्थानीय कला केंद्र मैदान में आयोजित हुआ। शैला, कर्मा तथा पारंपरिक सुगा नृत्यों की शानदार प्रस्तुतियों ने कला केंद्र मैदान में अद्भुत छटा बिखेरी। इस बार सरगुजा अंचल के लोकनृत्यों की कुल 36 टीमों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें से शैला वर्ग में माँ महामाया शैला समिति जमदेई प्रथम,शैला पार्टी सोनगरा द्वितीय तथा रामदल कर्मा नृत्य भकुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सुगा वर्ग में विश्वास सुगा नृत्य नर्मदापारा प्रथम, माँ महामाया सुगा दल परसा भकुरा द्वितीय तथा शिवशक्ति सुगा दल भकुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को उपस्थित अतिथियों ने पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया। इस अवसर पर प्रत्येक प्रतिभागी टीम को समिति की ओर से दो दो हजार भी सम्मान स्वरुप भेंट किया गया। साथ ही संस्था हेल्पिंग हैण्ड सोसायटी की ओर से प्रत्येक प्रतिभागी को प्लास्टिक फ्री एनवायरनमेंट को बढ़ावा देने के लिए जूट के बने बैग भी प्रदान किये गये।

इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव ने उपस्थित जनसमुदाय को दशहरा तथा दिपावली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि किसी भी समाज की पहचान उसकी कला व संस्कृति से होती है, हमारा सरगुजा जिला इस मामले में समृद्ध है। जब भी मैं मांदर की थाप सुनता हूं मुझे गांव की याद आती है। सरगुजा सेवा समिति के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय रविशंकर त्रिपाठी जी के प्रयासों से सरगुजा के लोकनृत्यों की साँस्कृतिक विरासत को एक मंच पर लाकर सम्मानित करने की परंपरा शुरू हुई जो आज भी जारी है, और इसे आगे बढ़ते ही रहना चाहिए। इस अवसर पर सरगुजा सेवा समिति की अध्यक्ष श्रीमती रजनी रविशंकर त्रिपाठी ने कहा कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी विजयादशमी महोत्सव में आयोजित होने वाले प्रतियोगिताओं की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। मानस गान तथा लोकनृत्य प्रतियोगिताओं में प्रतिभागियों की संख्या बढ़ना इस बात का शुभ संकेत है कि यह परंपरा अगली पीढ़ी तक जा रही है। इस अवसर पर नागरिक समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि विजयादशमी पर्व पर हमारे जिले में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में शहर तक गांव के प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता रहती है। सरगुजा की लोक संस्कृति को एक सूत्र में पिरोने के इस कार्यक्रम की जितनी प्रसंशा की जाए कम है। इस अवसर पर सरगुजा सेवा समिति के उपाध्यक्ष अखिलेश सोनी ने कहा कि सरगुजा सेवा समिति, नागरिक समिति तथा जिला प्रशासन के इस आयोजन की चर्चा दूर दूर तक है। सफल आयोजन के लिए समिति के सदस्यों को साधुवाद। कार्यक्रम का संचालन समिति के सदस्य नरेन्द्र सिंह टूटेजा व वीर सोनी ने संयुक्त रूप से किया। आभार प्रदर्शन समिति के सदस्य मधुसूदन शुक्ला ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में रंजीत सारथी, देवेन्द्र दास सोनवानी, विनितेश गुप्त सक्रिय रहे।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, महापौर डॉ अजय तिर्की, पूर्व श्रम कल्याण बोर्ड अध्यक्ष सफ़ी अहमद, पूर्व सांसद कमलभान सिंह, अनिल सिंह मेजर, द्वितेन्द्र मिश्रा, संजय अग्रवाल, मंजूषा भगत, विद्यानंद मिश्रा, उपेन्द्र पैकरा, करताराम गुप्ता, आलोक दुबे, मधु चौदाहा, प्रयाग राज साहू , राजेश कश्यप, संतोष दास, विशाल शर्मा, महेंद्र अग्रवाल ,मनोज सोनी, मयंक जायसवाल , अनुराग शुक्ला , अविनाश मंडल, आभाष राज , अमन गुप्ता , दीपक अग्रवाल, नीरज अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य सहित बडी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

किया ने EV9 और कार्निवल लेमोज़िन के लॉन्च के साथ पेश किया KIN 2.0

नई दिल्ली : मशहूर प्रीमियम कार निर्माता कंपनी किया ने एक बार फिर अपनी 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन रणनीति के साथ भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर को नए अंदाज में पेश करने के लिए दूरदर्शी नजरिया अपनाया है। किया 2.0 कंपनी के वाहनों में डिज़ाइन और टेक्नोलॉजी को अपग्रेड करने पर फोकस किया गया है, जो भारत की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक नये बदलाव की शुरुआत करता है। कंपनी ने एकदम नई तकनीकों के साथ इस बदलाव को शुरू करने के लिए भारत में EV9 और कार्निवल लेमोज़िन को लॉन्च किया है। इस तरह, कंपनी ने इंडस्ट्री में बदलाव लाने वाली अपनी छवि को और निखारा है। किया 2.0 में महत्वपूर्ण इनोवेशन किए गए हैं, जिसमें किया कनेक्ट 2.0 और एडवांस्ड व्हीकल टू एव्रीथिंग (V2X) तकनीक शामिल है। किया कनेक्ट 2.0 का मतलब है कि किया का अपडेटेड कनेक्टेड कार प्लैटफ़ॉर्म कई नए इनोवेशन के दरवाज़े खोलता है। नया प्लैटफ़ॉर्म न केवल मैप के लिए बल्कि वाहन डायग्नोस्टिक के लिए भी कंट्रोलर OTA (ओवर द एयर) अपडेट सुविधा देता है। किया कनेक्ट 2.0 के तहत दिया गया OTA, किया को 44 और 27 कंट्रोलर मॉड्यूल के साथ रिमोट पर लेकर नए लॉन्च किए गए EV9 और कार्निवल लेमोज़िन में गड़बड़ी का पहचान और सॉफ्टवेयर अपडेट करने की सहूलियत देता है। किया 2.0 ट्रांसफॉर्मेशन के साथ एक और बड़ी उपलब्धि व्हीकल-टू-एवरी थिंग (V2X) टेक्नोलॉजी है, जो कनेक्टेड युग में नई संभावनाओं के द्वार खोलती है और खरीदारों की डिजिटल जीवनशैली के साथ सहजता से जुड़ जाती है।

सैमसंग गैलेक्सी S24 FE शानदार शुरुआती ऑफ के साथ भारत में बिक्री के लिए उपलब्ध

गुरुग्राम: भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी S24 FE की बिक्री शुरू होने की घोषणा की है जो गैलेक्सी AI इकोसिस्टम का सबसे नया प्रोडक्ट है। ये उपभेक्ताओं को प्रीमियम मोबाइल अनुभव प्रदान करता है। आज से, गैलेक्सी S24 FE Samsung.com और सभी बड़े रिटेल स्टोर पर उपलब्ध होगा। AI-आधारित प्रोविज़ुअल इंजन और गैलेक्सी AI के फ़ोटो असिस्ट फ़ीचर पर चलने वाला गैलेक्सी S24 FE , बेहतर कैमरा सेटअप के साथ आता है जो यूजर को अधिक क्रिएटिव बनाता है। 6.7 इंच के डायनैमिक एमोलेड 2X डिस्प्ले, लंबे समय तक चलने वाली 4700mAh की बैटरी और शक्तिशाली एक्सीनॉस 2400 सीरीज़ चिपसेट के साथ यह चलते-फिरते गेमिंग करने के लिए एकदम सही डिवाइस है। गैलेक्सी S24 FE कम्युनिकेशन, प्रोडक्टिविटी और क्रिएटिविटी को बढ़ाने के लिए प्रीमियम गैलेक्सी AI टूल और इकोसिस्टम कनेक्टिविटी प्रदान करता है - ये सभी एक शानदार डिज़ाइन में पेश किए गए है। गैलेक्सी S24 FE को सैमसंग नॉक्स की मज़बूत सेफ्टी भी हासिल है। गैलेक्सी S24 FE के प्रीमियम कैमरा सेटअप में 50MP वाइड लेंस और 8MP टेलीफ़ोटो लेंस है जिसमें 3× ऑप्टिकल ज़ूम है - दोनों ऑप्टिकल इमेज स्टेबिलाइज़ेशन (OIS) के फीचर से लैस हैं। इसके साथ ही इसमें 12MP अल्ट्रा-वाइड लेंस और 10MP सेल्फी कैमरा भी है।

ट्रायसिकल से यूनस का सफर होगा आसान....

रायपुर। एक दुर्घटना के पश्चात अपने दोनों पैर पर ठीक से खड़ा नहीं हो पाने वाले यूनस राज को आज एक नया साथी मिल गया। उन्हें यह साथी एक ट्रायसिकल के रूप में मिला है और इस साथी की बदौलत वह अपनी कठिन डगर के सफर को आसान बना सकता है। राज्य शासन द्वारा दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए उठाए जा रहे कदम के अनुरूप यूनस राज को समाज कल्याण विभाग के माध्यम से ट्रायसिकल प्रदान किया गया। अब ट्रायसिकल मिल जाने के बाद यूनस अपनी पसंद के अनुसार कही भी आना जाना कर सकता है। रामपुर के रहने वाले यूनस राज ने बताया कि एक दुर्घटना से उसका पैर चोटिल होने के साथ पहले जैसा चलने फिरने लायक नहीं रहा। ट्राईसाइकल नहीं होने से आने जाने में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता था। युनस राज ने बताया कि उन्हें जब मालूम है कि शासन द्वारा समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकल प्रदान की जाती है तो उन्होंने आज अपना आवेदन विभाग को दिया। विभाग के माध्यम से उन्हें ट्राई साइकिल प्रदान की गई है। इस ट्राइसाइकल से वह आसानी से कहीं भी आवागमन कर सकेगा। उन्होंने ट्राई साइकिल प्रदान किए जाने पर शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया।

डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

डिजिटल युग में छत्तीसगढ़-मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन

रायपुर/ संवाददाता

आज जब पूरी दुनिया डिजिटल क्रांति की ओर बढ़ रही है, भारत भी इस बदलाव की अगुवाई कर रहा है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य भी ''डिजिटल युग'' में कदम से कदम मिलाते हुए अपने विकास की कहानी लिख रहा है। बीते कुछ महीनों में, छत्तीसगढ़ ने डिजिटल प्रगति और सुशासन की दिशा में जो उल्लेखनीय कदम उठाए हैं, वे न सिर्फराज्य को विकास की ओर ले जा रहे हैं, बल्कि प्रदेश के नागरिकों के जीवन को भी सरल और सुविधाजनक बना रहे हैं। यह विकास प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के कुशल नेतृत्व का प्रमाण है। छत्तीसगढ़ राज्य ने सरकार की योजनाओं और कार्यों को पारदर्शी और कुशल बनाने के लिए डिजिटल तकनीक को अपना प्रमुख साधन बनाया है। जनता की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सरकार ने ''ई-ऑफिस'' प्रणाली लागू की है, जिसके माध्यम से सरकारी दस्तावेजों का

प्रबंधन, सुरक्षा और फाइलों का निपटारा तेजी से किया जा रहा है। इस कदम से न केवल सरकारी प्रक्रिया की गति बढ़ी है, बल्कि कामकाज में पारदर्शिता भी आई है। इसी तरह मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ मुख्यमंत्री कार्यालय छत्तीसगढ़ शासन) में भी डिजिटल रूपांतरण की दिशा में कदम उठाए गए हैं। ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से नागरिकों को मुख्यमंत्री के रोजमर्रा के कार्यक्रम, राज्य की योजनाओं और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों के साथ विभिन्न जिलों की जानकारी उपलब्ध होने से आम लोगों को भी सहूलियत होगी। यह डिजिटल पहल न केवल सरकारी कार्यप्रणाली को सरल बना रही है, बल्कि नागरिकों को भी राज्य के विकास में भागीदार बना रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने आम नागरिकों के लिए मंत्रालय में प्रवेश को सुगम बनाने के लिए 'स्वागतम' पोर्टल की शुरुआत की है। इस पोर्टल के माध्यम से बड़े शहर हो या सुदूर क्षेत्र के लोग ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं और उन्हें एसएमएस और ई-मेल के जरिए प्रवेश पास प्राप्त होगा। इससे समय की बचत होगी और कतारों में लगने की आवश्यकता नहीं होगी। यह पहल न केवल प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सरल बना रही है, बल्कि आम जनता के लिए सरकार के द्वार खोल रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ ने करीब दस महीनों में ''सुशासन'' की एक नई परिभाषा गढ़ी है। सरकार ने विकास के साथ-साथ आम जनता का विश्वास वापस पाने में भी सफलता हासिल की है। 'मोदी की गारंटी' को पूरा करने के लिए विष्णु सरकार ने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। इन दस महीनों में सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे जनता को सीधे लाभ मिल रहा है। छत्तीसगढ़ का डिजिटल सफर न केवल राज्य को प्रगति के पथ पर ले जाएगा, बल्कि यह भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी राज्य को तैयार कर रहा है। डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग जहां सरकारी प्रक्रियाओं को तेज और पारदर्शी बना रहा है, वहीं यह नागरिकों के लिए भी एक आसान और त्वरित सेवा का माध्यम बन रहा है।

बिरकोना निवासी कोमल साहू के मौत पर परिजनों को मिला इंसाफ.....

- पत्नी की चरित्र को लेकर डिप्रेशन में आकर की आत्महत्या
- गवाह के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को भेजा जेल

रायपुर। सुबह जब लोगो ने ग्राम धरमपुरा दुधा रोड पर स्थित चरोटा खार के एक बबूल पेड़ पर फांसी के फंदे पर लटकती हुई एक अज्ञात व्यक्ति की लाश देखी तो गांव में अफरा तफरी मच गया वही मृत व्यक्ति की पहचान ग्राम बिरकोना निवासी कोमल साहू पिता स्व. प्रेमलाल साहू के रूप मे हुई थी पहचान के बाद मृतक के बड़े पिता हीरा साहू के पुत्र मनोज साहू जो रिस्ते में मृतक का बड़ा भाई है उनके द्वारा पिपरिया पुलिस को सूचना दी गई थी जिस पर पिपरिया पुलिस के द्वारा मार्ग क्रमांक 19/24 धारा 174 जा फ़ै के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया था मामले को प्रथम दृष्ट्या आत्महत्या मानकर पुलिस ने कार्यवाही की थी परंतु कोमल साहू का मौत एक रहस्य बनकर रह गया था , परिजन पुलिस की कार्यवाही से संतुष्ट नहीं हो रहे थे और लगातार मामले को लेकर पुलिस विभाग में दस्तक देते जा रहे थे बाद में मामला परिजनों से निकलकर पूरे सामाजिक स्तर पर पहुँच चुका था और साहू समाज के लोगों ने ममले को लेकर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा से उच्च स्तरीय जांच की मांग की जिसपर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व गृह मंत्री विजय शर्मा ने एस आई टी टीम का गठन किया जिसकी कमान बेमेतरा जिले के पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार साहू ने संभाली और एक बार फिर सुरु हुआ जांच का दौर बारीकी से जांच करने पर पुलिस को पता चला कि मृतक की पत्नी रेवती साहू का ग्राम के ही रहने वाले बालाराम जयसवाल का प्रेम प्रसंग चल रहा था जिसके कारण मृतक कोमल साहू बहुत ज्यादा डिप्रेसन में रहता था आए दिन इस बात को लेकर कोमल साहू का अपनी पत्नी से विवाद होता था।

नवरात्र पर गरबा-डांडिया की सिंधु भवन में मची धूम,मांगी खुशियों की दुआ.....

रायपुर। संवाददाता

श्री पूज्य सिन्धी पंचायत के तत्वावधान में नवरात्रि पर्व पर 3 दिवसीय कार्यक्रम जगराता, सिन्धी डांडिया एवं गरबा उत्सव की धूम मची, मातृ शक्ति द्वारा विभिन्न प्रकार के गरबा नृत्य कर मातारानी से समाज हित मे खुशियां मांगी गई। श्री पूज्य सिन्धी पंचायत अध्यक्ष मनीष मूलचंदानी ने बताया कि सिन्धी समाज तत्वावधान में हर वर्ष की भांति इस 7वें वर्ष में भी डांडिया एवं गरबा आयोजन किया गया। जगराता कार्यक्रम में सर्वप्रथम सिन्धी समाज अध्यक्ष मूलचंदानी ने मां भवानी के चित्र पर माल्यार्पण कर आरती की, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष शिवम बसन्तवानी ने जगराता हेतु पवन म्युजिकल ग्रुप को आमंत्रित कर भजन संध्या करवाया। समाज की सभी महिलाओं ने जगराते का भरपूर आनन्द लिया साथ ही मां भवानी से समाज, शहर, प्रदेश के लिए शांत वातावरण व उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं मांगी गई। कार्यक्रम में समाज संरक्षक उधाराम मूलचंदानी ने मां जगदम्बा के चित्र पर माल्यार्पण कर आरती की। सुहिणी सोच महिला विंग ने विभिन्न प्रकार की नृत्य शैली में माँ भवानी से आशीष लिया। सभी भक्तजनों को पंचायत द्वारा प्रसाद वितरण किया गया। *सिन्धी पंचायत सचिव हरेश नागवानी एवं सांस्कृतिक सचिव राजेश दुल्हानी ने बताया कि उत्सव में हर बार की तरह इस बार भी सिन्धु भवन में आनन्द मेले का कार्यक्रम किया गया। सिन्धी व्यंजनों का स्वाद भी समाज सदस्यों ने लिया। सिन्धी डांडिया एवम गरबा उत्सव के दूसरे दिवस में सुहिणी सोच महिला विंग से खेल खिलाया, सवाल हमारे, जवाब आपका, सही जवाब आपका पुरस्कार आपका। इसमें सिन्धियत से जुड़े सवाल एवं अपनी पंचायत की जानकारी सम्बंधित सवाल किए गए। जिन्होंने सही जवाब दिए।

राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज यहां राजभवन में भिलाई वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन ने सौजन्य भेंट की। उन्होंने वैशाली नगर में दुर्गा पूजा उत्सव में शामिल होने हेतु राज्यपाल को आमंत्रित किया।

कांग्रेस लगातार सरकार पर हमलावर बनी हुई है

लोहारीडीह कांड पर कांग्रेस ने राज्य सरकार पर किया हमला

रायपुर। संवाददाता

जिले के लोहारीडीह गांव में घटित घटना पर कांग्रेस लगातार सरकार पर हमलावर बनी हुई है, क्योंकि कांग्रेस के लिए सरकार को घेरने का सबसे बड़ा मुद्दा इन दिनों लोहारीडीह कांड से मिला हुआ है. कांग्रेस के तमाम बड़े नेता इस कांड पर सरकार को घेरने में पीछे नहीं रहे है. पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल तो लगातार प्रेसवार्ता कर सरकार से जवाब मांग रहे हैं। आज एक बार फिर भूपेश बघेल ने इस मुद्दे पर प्रेसवार्ता कर उस सूची को जारी किया, जिसे अब तक पुलिस की

ओर से जारी नहीं किया गया है. पूर्व मुख्यमंत्री ने रघुनाथ साहू हत्याकांड में दर्ज एफआईआर में 167 लोगों के नाम की सूची जारी की. बघेल ने बताया कि इस सूची में जो नाम शामिल हैं उनमें- 137 साहू समाज, 20 यादव समाज, 8 आदिवासी समाज, 1 मानिकपुरी समाज और 1 पटेल समाज से हैं। बघेल ने आरोप लगाया कि पुलिस ने विवेचना करने में बड़ी लापरवाही बरती है. पुलिस ने मृतक रघुनाथ साहू के बेटे विनोद साहू के बयान के आधार पर ही 167 लोगों के नाम एफआईआर दर्ज कर दी है, जबकि पूरे गांव का बयान लेना था, फिर कार्रवाई की जानी चाहिए थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ और सभी को जेल में डाल दिया गया है। उन्होंने कहा कि हद तो यह हो गई है कि कई ऐसे लोगों का नाम भी एफआईआर में दर्ज कर लिया गया।

घिनौना अपराध करने वाले प्रधान पाठक को तीन साल की सजा

रायपुर। स्कूली बच्चियों के साथ अश्लील हरकत करने और उनसे गंदी-गंदी बाते करने के दोषी प्रधान पाठक इंद्रमन साहू (56 वर्ष) को उसके बुरे कर्मो की सजा मिल गई है। 6 वर्ष पूर्व रायपुर जिले अभनपुर विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत सुंदरकेरा के स्कूल में प्रधान पाठक के रूप में पदस्थापना के दौरान इंद्रमन साहू स्कूली बालिकाओं की लज्जा का आनादर करने के आशय से गंदी-गंदी बातें करने के साथ ही लैगिंक हमले का अपराध कारित करने के मामले में न्यायालय ने उसे दोषी माना है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, द्वितीय फास्टट्रैक विशेष न्यायाधीश (पाक्सो) रायपुर ने उसे धारा 354 के तहत तीन वर्ष के सश्रम कारावास सहित एक हजार रूपए के अर्थ दंड तथा धारा 509 के तहत तीन वर्ष के कारावास तथा एक हजार रूपए के अर्थ दंड की सजा सुनाई है। गौरतलब है कि गुरू शिष्य के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाले इंद्रमन साहू द्वारा स्कूली बच्चियों से गंदी - गंदी बातें ,अश्लील हरकतें लगातार की जा रही थी । वह बालिकाओं को डराता और धमकाता भी था। बालिकाओं ने इस बात की जानकारी अपने पालकों को दी।

एमवे इंडिया ने उपभोक्ता। कल्याण की रक्षा और अपने वितरकों को समर्थन देने के प्रयासों को किया मजबूत

रायपुर। उपभोक्ता और वितरक दोनों के हितों और कल्याण की रक्षा के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करते हुए, स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक एमवे इंडिया ने अपने उत्पादों की अनधिकृत बिक्री के बारे में हितधारकों को शिक्षित करने के लिए एक मजबूत जागरूकता अभियान शुरू किया। इस व्यापक रणनीति में शामिल जोखिमों के बारे में हितधारकों को शिक्षित करने, आपूर्ति श्रृंखला निगरानी बढ़ाने, अपराधियों के खिलाफ सख्त उपाय करने और अधिकृत वितरकों के लिए लक्षित सहायता सत्र और संसाधन शामिल हैं। यह कदम यह सुनिश्चित करके उपभोक्ता संरक्षण के लिए एमवे के समर्पण को पुष्ट करता है कि उन्हें प्रामाणिक उत्पाद मिलें एमवे उत्पाद और उनसे जुड़े लाभ केवल एमवे वितरकों या आधिकारिक एमवे वेबसाइट के माध्यम से खरीदे जाने पर ही उपलब्ध होंगे। अनधिकृत बिक्री केवल प्रत्यक्ष बिक्री तक ही सीमित नहीं है। कई कंपनियां इस मुद्दे से जूझ रही हैं जहां उत्पादों को अक्सर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म या तीसरे पक्ष के विक्रेताओं जैसे अनधिकृत चैनलों के माध्यम से वितरित किया जाता है, जो उत्पाद की प्रामाणिकता और उपभोक्ता सुरक्षा को कमजोर करता है। उपभोक्ता सुरक्षा और उत्पाद अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता में एमवे इंडिया अपने उपभोक्ताओं को संभावित रूप से नकली और हानिकारक उत्पादों से बचाने के लिए अनधिकृत बिक्री के खिलाफ सक्रिय रूप से लड़ रहा है। अनधिकृत विक्रेता अक्सर कड़े गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को दरकिनार कर देते हैं जो एमवे इंडिया यह सुनिश्चित करने के लिए लागू करता है कि उपभोक्ता तक पहुंचने वाला प्रत्येक उत्पाद उच्चतम मानकों को पूरा करता है। यह न केवल उपभोक्ताओं को जोखिम में डालता है बल्कि समर्पित एमवे वितरकों के विश्वास और कड़ी मेहनत को भी कमजोर करता है। कंपनी अनाधिकृत बिक्री के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति का पालन करती है, जिसमें अनाधिकृत बिक्री में शामिल वितरकों को निलंबित या बर्खास्त करने की सीमा तक स्पष्ट दिशानिर्देश और कार्रवाई शामिल है तथा यह सुनिश्चित करती है कि प्रामाणिक एमवे उत्पाद केवल एमवे- अधिकृत चैनलों के माध्यम से ही उपलब्ध हों। एमवे इंडिया अपने उत्पादों को विशेष रूप से अधिकृत चैनलों के माध्यम से वितरित करके बिना किसी समझौता के गुणवत्ता और प्रामाणिकता सुनिश्चित करता है, जो एमवे वितरक और इसकी आधिकारिक वेबसाइट (www.amway.in) के माध्यम से हैं।

न्युवोको में स्वच्छता पखवाड़ा 2024 का समापन समारोह मनाया गया

बलौदाबाजार- न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड, क्षमता के मामले में भारत के पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह ने सोनाडीह लाइमस्टोन माइंस में भारतीय खान ब्यूरो, रायपुर क्षेत्र के तत्वावधान में ''स्वच्छता ही सेवा-2024'' पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम 1 अक्टूबर 2024 को सांस्कृतिक कार्यक्रम से शुरू हुआ और 2 अक्टूबर 2024 को स्वच्छता रैली, वृक्षारोपण, सफाई मित्रों का सम्मान और प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण के साथ समाप्त हुआ।

मुख्य अतिथि श्री प्रेम प्रकाश (क्षेत्रीय खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो, रायपुर) और विशिष्ट अतिथि श्री डी. उपाध्याय (उप खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो, रायपुर) सहित श्री राजू रामचंद्रन (क्लस्टर प्रमुख, पूर्व

क्षेत्र), श्री सरोज कुमार (सर्वेयर, भारतीय खान ब्यूरो) और सोनाडीह सीमेंट प्लांट के प्रमुख श्री पी. के. सिंह ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा 200 पौधे वितरित किए गए और स्वच्छता पर बच्चों द्वारा बनाए गए पोस्टर और चित्रों का अवलोकन किया गया। श्री संजय कुमार शर्मा ने सभी को स्वच्छता शपथ दिलाई, और आस-पास के गांवों के निवासी, स्कूल के बच्चे और जनप्रतिनिधियों ने उत्साह से भाग लिया। स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आयोजित गतिविधियों का स्लाइड शो प्रस्तुत किया गया, जिसमें हेल्थ कैंप, वृक्षारोपण और रैली शामिल थे। स्कूल के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। खदान कर्मचारियों द्वारा नुक्कड़ नाटक (मूक अभिनय) किया गया। सफाई मित्रों का सम्मान किया गया, जिनके कार्यों को मुख्य अतिथि ने सराहा। स्वच्छता जागरूकता रैली और वृक्षारोपण इसके प्रमुख कार्यक्रमों में शामिल थे।

कार्यक्रम का संचालन श्री स्वपन रॉय ने किया, जबकि स्वागत भाषण हेड माइंस, श्री अशोक कुमार सिंह ने दिया। मुख्य अतिथि श्री प्रेम प्रकाश ने अपने संबोधन में स्वच्छता को आदत और संस्कार में उतारने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन श्री राजेश कुमार राठौर के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

OFFICE OF THE SUPERINETENDING ENGINEER
PUBLIC WORK DEPARTMENT, BILASPUR CIRCLE
BILASPUR, CHHATTISGARHI

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय के निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक 39 एवं 40 दिनांक 16.07.2024 को अपरिहार्य कारणवश निरस्त किया जाता है।

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
बिलासपुर, मण्डल, बिलासपुर

G-242503043/2

संपादकीय

लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता

श्रम मंत्री ने कहा है कि अन्ना की मौत के मामले की जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) की कर्मचारी अन्ना सिबैस्टियन पेरायिल की मौत के सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बनने के बाद लंबे कार्य-घंटों में छिपी अमानवीयता को लेकर भारतीय राजनेताओं की संवेदना में क्षणिक हलचल दिखी है। अन्ना के गृह राज्य यानी केरल के नेता ज्यादा आहत नजर आए हैं। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कार्य-घंटों को सीमित करने के लिए एक निजी मेंबर बिल पेश करने की घोषणा की है। थरूर ने कहा है कि किसी को भी एक दिन में आठ घंटों के ज्यादा' काम नहीं करना चाहिए। मामला गरम होते देख सत्ताधारी नेता भी विवाद में कूदे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कॉलेजों एवं संस्थानों को सलाह दी कि वे अपने यहां छात्रों को काम के तनाव को संभालने के लिए प्रशिक्षण का इंतजाम करें। श्रम राज्य मंत्री शोभा करांडजले ने मामले की जांच की घोषणा की। अब श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने कहा है कि जांच शुरू हो चुकी है और सात से 10 दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। लेकिन रिपोर्ट क्या आएगी? क्या लंबे कार्य-घंटों के चलन में कोई गोपनीयता है? यह आज की कार्य संस्कृति का हिस्सा है, जिसे बढ़ावा देने में खुद सरकारों का योगदान है। इन्फोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति खुलेआम कर्मचारियों से हफ्ते में 70 घंटे काम लेने की वकालत कर चुके हैं। अन्ना ने अपनी मां को लिखे पत्र में कहा था- काम का बोझ, नया माहौल, और लंबे कार्य-घंटों की कीमत उसे शारीरिक, भावनात्मक, और मानसिक रूप से चुकानी पड़ रही है। लेकिन क्या यह सिर्फ किसी एक कर्मचारी की व्यथा कथा है? ईएंडवाई बहुराष्ट्रीय कंपनी है। उसमें नौकरी हाई-प्रोफाइल मानी जाती है। उसके कर्मचारी उच्च मध्य वर्ग का हिस्सा होते हैं। संभवतः यह भी एक कारण है, जिसकी वजह से अन्ना की मौत मुद्दा बनी और राजनेताओं की संवेदना को भी छू सकी। वरना, इसी समय तमिलनाडु स्थित सैमसंग कंपनी में मजदूरों की हड़ताल चल रही है। कार्य-स्थियों में सुधार उनकी भी एक प्रमुख मांग है। लेकिन यह खबर कितने लोगों के पास है? तो कुल मिलाकर मामला सोशल मीडिया तूफान का है, जिसके थमते ही नेताओं की भावनाएं भी यथास्थिति में चली जाएंगी।

आप की एंट्री भाजपा और कांग्रेस की टेंशन

अनिल चतुर्वेदी

हरियाणा चुनाव में आप पार्टी की एंट्री ने भाजपा और कांग्रेस की टेंशन बढ़ा रखी है। दोनों ही पार्टियाँ जीत को लेकर जितनी आश्वस्त थीं उससे कहीं ज्यादा अब दबाब में दिख रही हैं। यह अलग बात है कि केजरीवाल की पिटारी में भाजपा को कोसने और दिल्ली को दी गई फ्री के लॉलीपॉप के अलावा कुछ और नहीं है पर अपने अलग अंदाज में दिए जा रहे भाषणों से वे ऐसी ताक़त बनने के फेर में लगे हुए हैं जिसके बिना हरियाणा में सरकार बनाने में इन दोनों पार्टियों को केजरीवाल की ज़रूरत महसूस हो। कांग्रेस अगर सूबे में सत्ता परिवर्तन देख रही है तो भाजपा सत्ता में तीसरी बार लौटने के लिए बेताल है। भाजपा को भरोसा है कि आप कांग्रेस का दलित और पिछड़े वर्गों के वोटों में सेंध लगाने के साथ ही जाट वोटों को काटेगी जिससे भाजपा को फ़ायदा होगा। जबकि कांग्रेस को अपने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा पर भरोसा है। यही बजह रही कि हुड्डा को इस बार पार्टी हाईकमान ने पूरी छूट दी हुई है। यहाँ तक कि 90 सीटों वाली विधानसभा में 75 फ़ीसद टिकट हुड्डा की इच्छा से ही दिए गए हैं। जबकि केजरीवाल इन चुनावों में खुद को तीसरी बड़ी ताक़त बना लेना चाहते हैं। वे हरियाणा में मुफ़्त बिजली के साथ पिछले सभी बिल माफ़, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा के साथ ही हरेक महिला को एक हज़ार रूपये देने की मुनादी पीटकर हरियाणा में अपनी ज़मीन तैयार करने में लगे हैं। मज़े की बात है कि केजरीवाल यह भी बता रहे हैं कि दूसरी पार्टियों की तरह उनकी दी जाने वाली गारंटियाँ फ़र्ज़ी नहीं हैं।और रही बची कसर उनकी पत्नी यह कहकर पहले ही पूरी कर चुकी हैं कि अरविंद का जन्म जन्माष्टमी पर हुआ था और भगवान उनसे कुछ अच्छा ही कराना चाहते हैं। अब भला हरियाणा में कौन बना पाता है सरकार और कौन रह जाता है बेकार यह तो रही इंतज़ार की बात, पर यह ज़रूर दिख रहा है कि गिरफ़्तारी के दौरान राजनीति में जो कुछ भी केजरीवाल ने खोया होगा उसे वे हरियाणा विधानसभा चुनावों में हासिल कर लेना चाहते हैं।

आतिशी का दिल्ली का मुख्यमंत्री बनने के साथ ही सत्ता के गलियारों में अगले साल दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनावों में आप पार्टी से सीएम के चेहरे को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। फ़रवरी में चुनाव होने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में आतिशी का कार्यकाल मात्र चार महीने का ही बचेगा। यानी दिल्ली के लिए बहुत कुछ करने की उनकी इच्छा भी दफ़्न हो लेगी। यह अलग बात है कि भरत की भूमिका में काम कर रहीं आतिशी को राजनीति के जिन दाँवपेंच या उम्मीदों में सीएम बनाया गया है उससे उनकी फिर से सीएम बनने की न तो बहुत इच्छा रह जानी है और न ही उम्मीदें पर सवाल तब यही बचेगा कि आप पार्टी की सरकार बनने में क्या वे सरकार में तीसरे नंबर की रहेंगी। ज़ाहिर है कि वे अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया से वरिष्ठ नहीं होगीं। राजनीतिक गलियारों में तभी यह चर्चा है कि पार्टी या तो चुनाव में विना चेहरे के उतरेगी या फिर भाजपा कांग्रेस को गरियाते हुए केजरीवाल का चेहरा ही चुनाव में होगा। हालाँकि पार्टी भाजपा के चुनावी तीरों के चलते ऐसा करने बचती दिख रही है लेकिन उसके सामने फिर आतिशी के अलावा दूसरा चेहरा नहीं हो पाएगा। भला मनीष सिसोदिया का पार्टी में कोई तोड़ न हो और सरकार में रहते शिक्षकों लेकर जो किया लोग जान चुके हैं पर ऐसा नहीं लगता कि पार्टी मनीष के चेहरे पर चुनाव लड़े। तय मानिए कि विधानसभा चुनावों में आप और कांग्रेस के बीच गठबंधन नहीं होना है ऐसे में उत्साही भाजपा बहुत कुछ करने के लिए व्याकुल रहे और कांग्रेस और आप में चलने वाली खींचातानी में ही उसे अपना दिल्ली का भविष्य नज़र आ रहा हो। लेकिन फिलाहल दिल्ली के लोग भाजपा को दिल्ली से दूर रहते देख रहे हैं। और तभी लोग मान बैठे हैं कि आप एक बार फिर सत्ता में वापिसी करें लेगी। लेकिन सवाल फिर वही बचेगा कि दिल्ली की सत्ता में वापिसी के लिए आख़िर कौनसा चेहरा होगा ?

वक्त बदलता है तो सांडों को अपने सींग भारी लगने लगते हैं। या यूँ कहिए कि सांड या गाय जिन सींगों से अपनी सुरक्षा करते हैं वहीं उन्हें भारी महसूस होने लगते हैं। हरियाणा चुनावों में भी कुछ ऐसा ही देखा जा रहा है। पिछले साढ़े नौ साल तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे मनोहर लाल खट्टर अब अपनी को ही असहज महसूस होते दिख रहे हैं। यानी भाजपा को अपने इन नेताजी से चुनावी नुक़सान होते दिख रहा है सो वह जाने-अनजाने अपने इन साहब से दूरी रख मतदाताओं और नेताओं को यह संदेश देते दिख रहे हैं कि खट्टर अब पार्टी के इतने प्रिय नहीं रहे हैं। यह अलग बात है कि सूबे में पार्टी का जनाधार कम होने के बाबजूद खट्टर को केन्द्र मंत्री बना दिया गया। एक तो वैसे ही खट्टर चुनावी दौर में पार्टी नेताओं को माफ़िक़ नहीं आ रहे थे ऊपर से एक चुनावी सभा में सवाल पूछने पर खट्टर ने आपा खो दिया और उसे धक्के देकर सभा से बाहर कराने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हरजाने से खट्टर हरियाणा में लोगों की निगाह में खटकने लगे।

सबके लिए चौंकाने वाले हैं जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम के सियासी मायने

कमलेश पांडे

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 के परिणाम एक बार फिर सबको चौंका दिए। यहां भाजपा की कसरत बेकार गई और कांग्रेस की फ्तिरत नेशनल कांफ्रेंस के सहारे बाजी मार ले गई। कहने का तातपर्य यह कि ताजा चुनाव परिणाम से जहां एक ओर पाकिस्तान-चीन परस्त स्थानीय सियासत को हवा देने वाली कांग्रेस-नेशनल कांफ्रेंस के देशद्रोही एजेंडे को सुकून मिली है, वहीं सूबे में भारतीयता की अलख जगाने वाली भाजपा की राष्ट्रवादी सियासत के ऊपर चिंता की कुछ नई लकीरें खींच दी हैं, जिन्हें समय रहते ही मिटाने के कुछ और सकारात्मक प्रयत्न करने होंगे।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि इस चुनाव परिणाम से वहां सक्रिय हिन्दू हित चिंतक समूहों की भी बेचैनी बढ़ी है, क्योंकि एक बार फिर वहां पर वही 'अब्दुल्ला' सरकार लौट रही है, जिसे जम्मू-कश्मीर के लिए हर मायने में अलग स्टेटस चाहिए। यानी धारा 370 की वापसी चाहिए। चूंकि काँग्रेस भी उसकी हां में हां मिला रही है, इसलिए केंद्र में सरकार बदलते ही उनकी जिद्द पूरी हो सकती है, हालांकि उनके लिए दिल्ली अभी दूर है।

देखा जाए तो अनुच्छेद 370 हटाने के बाद जम्मू कश्मीर में पहली बार चुनाव हुए। जिसमें बीजेपी का जलवा कायम रहा, जबकि वह सरकार बनाने में सफल नहीं हो पाई। अतीत पर नजर डालें तो जम्मू-कश्मीर में आखिरी बार वर्ष 2014 में चुनाव हुए थे। वहां पर साल 2014 तक नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री थे। लेकिन 2014 के विधानसभा चुनाव के बाद वहां बीजेपी और पीडीपी गठबंधन ने सरकार चलाई।

इसी बीच 2019 में वहां से अनुच्छेद 370 को हटाया गया और उसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया गया। तब से वहां उपराज्यपाल शासन लागू है। उसके बाद अब जाकर साल 2024 में यहां चुनाव हुए, जिसमें तीन पीढ़ियों से यहां की सत्ता चला रहे अब्दुल्ला परिवार की नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिला, जिसमें कांग्रेस भी शामिल है। घाटी में उनकी तूती बोलती है, इसलिए वहां उन्हें काफी सीटें मिलीं। हां, जम्मू के हिंदुओं ने बीजेपी को जमकर वोट दिया और अपनी राष्ट्रवादी भावनाओं का खुलकर इजहार किया।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि आतंक के साए के बीच 10 साल बाद फिर से जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव हुए। इससे पहले 2014 से 2024 के बीच 10 साल में जम्मू-कश्मीर का पूरा राजनीतिक परिदृश्य ही बदल गया। साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद कश्मीर घाटी की राजनीतिक हवा ही पूरी तरह से बदल गई। केंद्र शासित प्रदेश के नए स्वरूप में आने वाले इस राज्य में आखिरकार 2024 में फिर से विधानसभा चुनाव का बिगुल बजा। और जब जम्मू व कश्मीर के चुनाव परिणाम आए तो नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को स्पष्ट जनादेश मिला।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस गठबंधन ने 48 सीटें जीतीं। जबकि, बीजेपी ने 29 सीटों पर कब्जा किया। वहीं, महबूबा मुफ्ती की पीडीपी को सिर्फ 3 सीटें मिलीं। जबकि अन्य छोटी पार्टियों ने 10 सीटें हासिल कीं। यदि अलग अलग सीटों की बात की जाए तो नैशनल कॉन्फ्रेंस को 42 और कांग्रेस को 6 सीटें मिलीं। जबकि जेपीसी को 1, सीपीआई एम को 1, आम आदमी पार्टी को 1 और निर्दलीय को 7 सीटें मिली हैं।

जहां तक इनके वोट प्रतिशत का सवाल है तो बीजेपी को 25.64 प्रतिशत, नैशनल कॉन्फ्रेंस को 23.43 प्रतिशत, कांग्रेस को 11.97 प्रतिशत, पीडीपी को 8.87, आम आदमी पार्टी को 0.52 प्रतिशत, बीएसपी को 0.96 प्रतिशत और जदयू को 0.13 प्रतिशत वोट मिले हैं। इस चुनाव में कुल 63.45 फीसदी वोटिंग हुई है। बता दें कि विधानसभा की 90 सीटों के लिए तीन चरणों में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान हुए थे।

ताजा चुनाव परिणाम से स्पष्ट होता है कि कभी भाजपा की करीबी रहीं पीडीपी नेत्री व पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती को मतदाताओं ने खारिज कर दिया, ताकि वह भाजपा के साथ गठबंधन करने लायक ही नहीं बचें। उल्लेखनीय है कि साल 2014 में महबूबा मुफ्ती के पिता मुफ्ती मोहम्मद सईद और बीजेपी ने मिलकर पहली बार गठबंधन किया और जम्मू-कश्मीर में सरकार बनाई। यह वो नाजुक वक्त था जब 10 साल बाद बीजेपी ने फिर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सत्ता पर आसीन हुई थी।

उसी समय लीक से हटकर बीजेपी ने पीडीपी से गठबंधन किया और चुनाव के बाद गठबंधन सरकार बनाई। हालांकि ये बेमेल सरकार रही। वहीं, मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद महबूबा मुफ्ती सीएम बनीं। चूंकि पीडीपी का एजेंडा बीजेपी के एजेंडे से बिल्कुल मेल नहीं खा रहा था और घाटी में पत्थरबाजी आम हो चली थी। इसलिए बीजेपी ने पीडीपी प्रमुख महबूबा से अपना पीछा छुड़ाना ही उचित समझा और ताबड़तोड़ उचित फैसले लिए।

भाजपा सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 हटने के बाद फारूक अब्दुल्ला व उमर अब्दुल्ला लगातार रहे हमलावर : साल 2014 से ही घाटी की राजनीति और जम्हूरियत का हवाला देने वाले फारूक अब्दुल्ला और उनके पुत्र उमर अब्दुल्ला अपनी विचारधारा पर दृढ़ता से खड़े रहे। देखा गया कि भले ही वो अटलजी की सरकार में केंद्रीय मंत्री थे, एनडीए में भी शामिल थे, लेकिन इसके बावजूद वे नरेंद्र मोदी की सरकार की नीतियों पर लगातार मुखरित रहे। पूरे देश में राहुल गांधी और जम्मू-कश्मीर में फारुख अब्दुल्ला-उमर अब्दुल्ला अपनी मुखरता के लिए ही जाने-पहचाने गए।

वहीं, जब 2019 में अनुच्छेद 370 और 35 (ए) हटाया गया, तो फारूक अब्दुल्ला और उनके बेटे उमर अब्दुल्ला ने ही इस पर मुखरता पूर्वक अपनी बात रखी। इससे पाक व चीन परस्त जम्मू-कश्मीर वासियों के हौसले बढ़े। बता दें कि साल 2014 में जम्मू-कश्मीर चुनाव से पहले अब्दुल्ला की नेशनल कॉन्फ्रेंस का ही राज था। तब उमर अब्दुल्ला ने कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर 5 जनवरी 2009 को गठबंधन सरकार बनाई थी।

वहीं, जब अगस्त 2019 में केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। साथ ही जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा भी खत्म किया और इसे केंद्र शासित प्रदेश बना दिया। ये सब कुछ करने के बाद यह पूरा क्षेत्र उबल पड़ा, जिसके दृष्टिगत जम्मू-कश्मीर में कई महीनों तक विभिन्न प्रकार के प्रतिबंध लागू रहे। इन सबके बाद भी जब जम्मू कश्मीर में साल 2024 में विधानसभा चुनाव हुए तो नेशनल कॉन्फ्रेंस के अब्दुल्ला परिवार के पुनर्वापसी हुई, जबकि पीडीपी के महबूबा परिवार का सियासी सुफ्ड़ा साफ हो गया।

आखिर लोगों में महबूबा के प्रति क्यों दिखा भारी रोष : सवाल है कि जब भाजपा से गठबंधन तोड़ने के बाद महबूबा मुफ्ती की पार्टी पीडीपी भी अब्दुल्ला परिवार की पार्टी नेशनल कांफ्रेंस की लाइन पर ही चल रही थी, तो फिर उनकी पीडीपी को विधानसभा की 90 सीटों में से महज 3 सीटें ही क्यों मिल पाईं। शायद इसलिए कि जब कश्मीर घाटी में युवाओं ने पत्थरबाजी कर आतंक मचा रखा था, तब महबूबा की भाषा ऐसी थी कि किसी को भी हैरान कर दे। तब जिस तरह से उनकी वक्तव्यों में पाकिस्तान के प्रति झुकाव स्पष्ट देखने को मिलता था, उससे भारत में आस्था रखने वाले कश्मीरी क्षुब्ध दिखते थे। यही वजह है कि जब चुनाव आए तो मतदाताओं ने उन्हें सिरे से ही खारिज कर दिया, जो उनके लिए भी सियासी अजूबे की तरह है।

आखिर अब्दुल्ला परिवार की राजनीति को क्यों मिली 3 पीढ़ियों की विरासत : आपको पता होना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के पिता और यहीं के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के दादा शेख अब्दुल्ला, जो देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के मित्र समझे जाते थे, ने घाटी की सियासत में अहम भूमिका अदा की। सच कहूं तो शेख अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर की राजनीति के 'पायोनियर' थे। वे ऑल जम्मू और कश्मीर मुस्लिम कॉन्फ्रेंस के संस्थापक थे। वो जम्मू और कश्मीर के भारत में विलय के बाद वहां के पहले निर्वाचित प्रधानमंत्री बने।

यही वजह है कि पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला को अपने पिता से राजनीति विरासत में मिली। उन्होंने भी भाजपा से गठबंधन किया, लेकिन अपनी शर्तों पर। इसप्रकार दशकों तक कश्मीर घाटी की मुखर आवाज रहने के बाद उन्होंने अपनी विरासत अपने बेटे उमर अब्दुल्ला को सौंप दी। बता दें कि साल 2009 से साल 2014 तक उमर अब्दुल्ला जम्मू- कश्मीर के सीएम रहे। दस साल बाद फिर उनकी सियासी किस्मत चमकी और वो यहां के अगले सीएम बनेंगे, क्योंकि उनकी पार्टी के गठबंधन को ही पूर्ण बहुमत मिला है।

आखिर क्यों नहीं रहा कांग्रेस का अकेला वजूद, अब वह नेशनल कांफ्रेंस के साथ है गठबंधन साझीदार : आपको पता होना चाहिए कि देश पर सर्वाधिक समय तक राज करने वाली कांग्रेस की कभी जम्मू-कश्मीर में तूती बोलती थी। तब घाटी में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता गुलाम नबी आजाद ने भी जम्मू-कश्मीर में अपनी सरकार चलाई। हालांकि ग्रुप 23 के झांसे में आकर कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने के बाद गुलाम नबी आजाद व उनके समर्थकों का भी राजनीतिक वजूद खत्म हो गया। इसी तरह कांग्रेस का भी स्वतंत्र पार्टी के रूप में वजूद खत्म हो गया।

इस बार जम्मूकश्मीर विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने गुलाम नबी आजाद की घरवापसी के लिए पहल की, लेकिन राहुल गांधी के सख्त रवैये के चलते खड़गे बैक फुट पर चले गए। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस की सहयोगी पार्टी बनकर कांग्रेस 6 सीटें पाने में सफल रही। इस मामूली उपलब्धि के लिए भी राहुल गांधी ने जम्मू और कश्मीर में कई रैलियां की। उधर, भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी उन्होंने अपनी ताकतवर मौजूदगी दिखाई थी। इसका असर यह रहा कि कांग्रेस को महज 6 सीटें मिल गईं।

हिंदू बहुल जम्मू में दिखा भाजपा का जलवा : हिंदु बहुल जम्मू में बीजेपी का प्रदर्शन पहले के मुकाबले अच्छा रहा। पार्टी ने यहां 29 सीटें जीतीं। बता दें कि जम्मू रीजन में 43 सीटें पड़ती हैं। भाजपा 68 प्रतिशत की स्ट्राइक रेट के साथ ये सीटें हासिल की है, जो बड़ी बात है।

इस तरह बीजेपी पूरे जम्मू-कश्मीर की दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। वहीं, कश्मीर घाटी में बीजेपी एक भी सीट नहीं जीत सकी। 2014 के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी ने अपनी सभी 25 सीटें जम्मू में ही जीती थीं। तब भी कश्मीर में उसे एक भी सीट नहीं मिली थी।

हालांकि इस बड़ी जीत के लिए यहां पीएम मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह सहित तमाम बड़े नेताओं और मंत्रियों की रैलियां हुईं। इसके बावजूद भी जम्मू के बाहर भाजपा को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई। समझा जाता है कि जम्मू के हिंदुओं ने आतंक का दंश झेला है। अनुच्छेद 370 हटने पर पीडीपी और नेकां के बयानों को भी सुना है। इसलिए जब चुनाव आए तो हिंदुओं ने बीजेपी के पक्ष में जमकर वोट डाले। इससे बीजेपी का सियासी ग्राफ भी ऊंचा उठा।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में अपना पहला मुख्यमंत्री बनाने के लिए बीजेपी को अकेले जम्मू में ही कम से कम 30 से 35 सीटें जीतना जरूरी था। जबकि, घाटी में भी उसे अच्छा प्रदर्शन करना था। हालांकि, ऐसा हो नहीं सका। ऐसे में सवाल उठता है कि अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले और 'नया कश्मीर' का वादा करने वाली बीजेपी को चुनावी फायदा क्यों नहीं मिला?

मोदी शाह ने जम्मू-कश्मीर की किस्मत बदली पर सांप्रदायिक मिजाज वाली जनता को समझा नहीं पाए : जम्?मू-कश्मीर चुनाव परिणाम ने प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी की छवि को और सशक्त किया है। वैश्विक स्?तर पर भारत के लोकतंत्र की मजबूती और जम्मू-कश्मीर को लेकर संदेश गया है कि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है। वहीं, कश्?मीर में भाजपा की सीटों में वृद्धि और हार दोनों केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के लिए अहम हैं। क्योंकि धारा 370 हटाने के बाद उन्होंने राज्?य को प्रभावी रूप से संभाला। फिर भी भाजपा जम्?मू-कश्?मीर में सरकार बनाने में असफल हुई। यानी कि वहां भाजपा की स्वीकार्यता अभी भी सीमित है। कश्मीर में समुदाय का भाजपा पर भरोसा अभी मजबूत नहीं हुआ है।

अपनी सूझबूझ और पिता के आशीर्वाद से उमर अब्दुल्ला निकले जनता के भरोसेमंद : साल 2014 में सत्ता खोने और 2019 में राज्य का विशेष दर्जा खत्म होने के बाद हुए इस चुनाव में उमर अब्दुल्ला और उनकी पार्टी नेशनल कांफ्रेंस ने शानदार वापसी की है। इससे साबित होता है कि कठिन राजनीतिक परिस्थितियों में भी वह एक संतुलित नेता के रूप में उभरे हैं। कश्?मीर की जनता ने अब्दुल्ला पर भरोसा जताया है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं बडगाम के मतदाताओं का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं, जिन्होंने मुझे अपने कीमती वोटों से नवाजा, मुझे यहां से कामयाब बनाकर भेजा। उन्होंने बताया कि जेकेएनसी को पिछले 5 साल से खत्म करने की पूरी कोशिश की गई थी। यहां बहुत से ऐसे तंजीमें खड़ी गई जिनका मकसद था नेशनल कॉन्फ्रेंस को खत्म करना। हालांकि जो हमें खत्म करने के लिए आए थे मैदान में, उनका खुद ही कोई नामों-निशान नहीं रहा। लिहाजा, हमारी जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं। हमारा फर्ज बनता है कि हम अपने आप को इन वोटों के लायक साबित करें। वहीं, नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिलना चाहिए। हम इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा रहे हैं। उधर, जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की जीत को लेकर महबूबा मुफ्ती ने उन्हें बधाई दी और कहा कि राज्य की जनता शायद एक स्थिर सरकार चाहती थी। यही वजह है कि उन्होंने एनसी-कांग्रेस गठबंधन को चुना है.

योगी ने हरियाणा में बदल दिये नतीजे तो पार्टी में बढ़ा कद

संजय सक्सेना

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर बीजेपी के अंदर अपनी ताकत का अहसास करा दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में बीजेपी को लगातार तीसरी बार मिली जीत के हीरो बनकर उभरे हैं योगी। योगी ने हरियाणा में कुल 14 विधानसभा क्षेत्रों में जनसभाएं की जिसमें से 09 सीटों पर बीजेपी को हासिल हुई। यह स्ट्राइक रेट 70 फीसदी के करीब बैठता है जबकि कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कुल 08 जनसभाएं कि जिसमें से कांग्रेस को मात्र दो सीटों पर ही जीत हासिल हो पाई। बीजेपी की जीत में वोटिंग प्रतिशत का बढ़ना भी अहम रहा। कुल मिलाकर लोकसभा चुनाव के समय हरियाणा में थोड़ी कमजोर नजर आ रही बीजेपी को सही मौके पर यहां के वोटरों ने बूस्टर डोज दे दी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में 48 सीट जीतकर भाजपा सत्ता बरकरार रखने में कामयाब हुई, जबकि कांग्रेस को 37 सीट पर जीत मिली है। खासकर योगी के बटोगे तो कटोगे वाले बयान ने भी योगी की जीत में अहम भूमिका निभाई।

कहने का तात्पर्य यह है कि सीएम योगी एक बार फिर से बीजेपी के लिए ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। उन्होंने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में पांच क्षेत्रों में चुनाव प्रचार किया, जिसमें से चार सीटों पर बीजेपी ने जीत दर्ज की। इसी तरह उन्होंने हरियाणा विधानसभा चुनाव में चुनाव प्रचार किया। राज्य की 14 विधानसभा सीटों पर वह चुनाव प्रचार करने गए, जिसमें से बीजेपी ने 9 सीटों पर जीत दर्ज की जो यह बताने के लिये काफी है कि हरियाणा में बीजेपी का हिन्दुत्व का कार्ड तो खूब चला, लेकिन राहुल गांधी और कांग्रेस का संविधान बचाओं का ढोंग और हिन्दुओं को जातियों में बांट कर हिन्दू वोटों में डिवीजन की साजिश परवान नहीं चढ़ पाई।

योगी ने हरियाणा में चार दिन और जम्मू-कश्मीर में दो दिन प्रचार किया। सीएम योगी ने 22 सितंबर को नरवाना, राई और असंध सीट पर चुनाव प्रचार किया।। इन तीनों ही सीटों पर बीजेपी के उम्मीदवारों ने जीत दर्ज की है। इसके बाद 28 सितंबर को मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद, रादौर, जगाधरी और अटेली सीटों पर प्रचार किया इन सभी सीटों पर भी बीजेपी जीती है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने 30 सितंबर को बवानी खेड़ा में चुनावी जनसभा की थी। इस सीट पर भी बीजेपी ने जीत दर्ज की है। तीन अक्टूबर को उन्होंने सफीदों में जनसभा की, यहां बीजेपी ने जीत दर्ज की है।

अब अगर जम्मू-कश्मीर में उनके ट्रैक रिकॉर्ड पर ध्यान दें तो बिल्कुल ऐसा ही नजर आता है, जिन सीटों पर उन्होंने चुनाव प्रचार किया वहां बीजेपी का दबदबा रहा। योगी ने जम्मू कश्मीर के रामगढ़, आरएस पुरा दक्षिण, रामनगर और कठुआ में सभाएं की थीं। इन सभी सीटों पर बीजेपी के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है, ऐसे में देखा जाए तो सीएम योगी आदित्यनाथ एक बार फिर से बीजेपी का ट्रंप कार्ड साबित हुए हैं। उनका चुनाव के दौरान उनका जादू चलता नजर आया है। इस आधार पर कहा जा सकता है बीजेपी में योगी का कद काफी बढ़ गया है।

सार-समाचार

आगामी पर्व एवं आयोजनों में शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की लगी मजिस्ट्रियल ड्यूटी

अम्बिकापुर/ विजयादशमी, दशहरा पर्व, रावण दहन एवं राममंदिर से प्रारंभ होकर पी.जी.कॉलेज ग्राउंड तक रामजी की शोभायात्रा 12 अक्टूबर तथा 13 अक्टूबर 2024 को मां दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन के दौरान अम्बिकापुर शहर में भीड़-भाड़ होना संभावित है। उक्त पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाये रखने के हेतु निम्नलिखित कार्यपालिक दण्डाधिकारियों की मजिस्ट्रियल ड्यूटी लगाई गई है। जिसमें अनुभाग क्षेत्र अम्बिकापुर का सम्पूर्ण प्रभार अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी अम्बिकापुर श्री फागेश सिन्हा एवं अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी अम्बिकापुर श्री अमन चतुर्वेदी की ड्यूटी लगाई गयी है। वहीं अनुभाग क्षेत्र सीतापुर के सम्पूर्ण प्रभार हेतु अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी सीतापुर हेतु श्री रवि राही, अनुभाग क्षेत्र उदयपुर के सम्पूर्ण प्रभार हेतु अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी उदयपुर श्री बनसिंह नेताम, अनुभाग क्षेत्र लुण्ड्रा (धौरपुर) के सम्पूर्ण प्रभार हेतु अनुविभागीय अधिकारी एवं अनुविभागीय दण्डाधिकारी धौरपुर श्री नीरज कौशिक की ड्यूटी लगाई गई है। वहीं रामजी की शोभायात्रा राममंदिर से पी.जी. कॉलेज ग्राउंड रैली के साथ एवं रावण दहन स्थल पी.जी. कॉलेज ग्राउंड अम्बिकापुर हेतु डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सरगुजा श्री डी.एस. उईके, डिप्टी कलेक्टर एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी सरगुजा श्री जे.आर. सतरंज तथा तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी अम्बिकापुर श्री उमेश्वर सिंह बाज को जिम्मेदारी सौंपी गई है। दुर्गा मंदिर गांधी चौक हेतु कार्यालयों भू-अभिलेख के सहायक अधीक्षक श्री महेंद्र साय, महामाया मंदिर हेतु कार्यालय भू-अभिलेख के सहायक अधीक्षक श्री प्रांजल गोयल, पुराना बस स्टैण्ड के पीछे के एरिया हेतु कार्यालय भू-अभिलेख के सहायक अधीक्षक श्री एम बड़ा, मूर्ति विसर्जन शिवधारी तालाब हेतु नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी श्री कमलेश कुमार मिरी, मूर्ति विसर्जन विशुनपुर तालाब हेतु नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी अम्बिकापुर श्री निखिल श्रीवास्तव, मूर्ति विसर्जन महामाया तालाब हेतु कार्यालय भू-अभिलेख के सहायक अधीक्षक श्री संजीत पांण्डेय एवं मूर्ति विसर्जन श्याम घुनघुट्टा परियोजना दरिमा हेतु नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी दरिमा श्री अजय कुमार गुप्ता की ड्यूटी लगाई गई है।

समग्र शिक्षा प्रारंभिक अंतर्गत सृजित पदों पर चयन हेतु 21 अक्टूबर को होगा साक्षात्कार

अम्बिकापुर/ समग्र शिक्षा प्रारंभिक के जिला मिशन समन्वयक ने बताया कि समग्र शिक्षा प्रारंभिक सरगुजा अंतर्गत समावेशी शिक्षा के तहत दिव्यांग बच्चों के देख-रेख के कार्य के लिए प्रति विकासखण्ड स्त्रोत केंन्द्र में एक आया,हेल्पर,अटेंडेंट के सृजित पद पर चयन हेतु कार्यालय को प्राप्त आवेदनों का परीक्षण उपरांत निराकरण किया गया। उम्मीदवारों के चयन के संबंध में 21 अक्टूबर 2024 को प्रात: 11:00 बजे से जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा कम्पोजिट बिल्डिंग रूम नं. 64 कलेक्ट्रेट कैम्पस में उम्मीदवारों का व्यक्तित्व परीक्षण साक्षात्कार लिया जावेगा। उन्होंने पात्र व्यक्तियों को निर्धारित तिथि व स्थान पर अपने शैक्षणिक व अन्य प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियों के साथ उपस्थित होने कहा है।

देवी जागरण कार्यक्रम का कृषि मंत्री ने किया शुभारंभ

रामानुजगंज। रामानुजगंज थाना के सामने पुराने सीआरपीएफ कैंप परिसर में स्थापित माँ दुर्गा मंदिर परिसर में आयोजित देवी जागरण कार्यक्रम का शुभारंभ कृषि मंत्री राम विचार नेताम पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष आर. के. पटेल, पूर्व जिला संघ चालक सुभाष जायसवाल, नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल, शर्मिला गुप्ता, कन्हैया लाल अग्रवाल, विमलेश सिन्हा, वरिष्ठ पार्षद अशोक जैसवाल, सुभाष केशरी, शैलेश गुप्ता सहित अन्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। अंबिकापुर के प्रसिद्ध देवी जागरण ग्रुप वैष्णवी जागरण मंच के कलाकारों बबीता विश्वास प्रदीप विश्वास की टीम द्वारा प्रस्तुत मनमोहक देवी गीतों से देर रात तक श्रद्धालु झूमते रहे। माता के जगराता कार्यक्रम के दरमियान मंच से पुलिस अधीक्षक वैभव बैंकर को राजेश ज्वेलर्स में हुई लूट कांड में आरोपियों को तत्परता से पकड़ने के लिए नगरवासियों की तरफ से कृषि मंत्री राम विचार नेताम के हाथों स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया वहीं देवी जागरण आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम को भी स्मृति चिन्ह प्रदान कर शहरवासियों की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि जब क्षेत्र में नक्सली समस्या थी तब इस परिसर में सीआरपीएफ कैंप खुला था इसी परिसर में मैंने एसडीओपी कार्यालय का उद्घाटन भी किया था आज यहां पर देवी जागरण का कार्यक्रम आयोजित हो रहा है मुझे बहुत खुशी है कि माता का दरबार अब फिर से गुलजार रहेगा।

जिले में हाइड्रोक्लोरिक एसिड से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलटा, टैंकर पलटने के बाद से टैंकर के चालक परिचालक मौके से फरार

मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पेंड्रा पुलिस की टीम पहुच कर, कर रही है जांच पड़ताल

पेंड्रा। जिले में तड़के बड़ा हादसा हो गया था। जिसमें एक हाइड्रो क्लोरिक एसिड से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया जिससे आसपास एसिड का गैस फैल रहा है मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पेंड्रा पुलिस की टीम पहुच गई है। वही टैंकर पलटने के बाद से टैंकर के चालक परिचालक मौके से फरार हो गए है। फ्लिहाल पेंड्रा पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

दरअसल मामला पेंड्रा थाना क्षेत्र का है जहां पर आज तड़के हाइड्रो क्लोरिक एसिड से भरा टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गया है जानकारी के अनुसार यह टैंकर झारखंड के रहला से चलकर मध्यप्रदेश के इंदौर जाने को निकाला हुआ था। और पेंड्रा के पास दुर्गा पुजा के पंडाल लगे होने के कारण सही रास्ता समझ नही आने के चलते टैंकर चालक टैंकर को पेंड्रा से लटकोनी नवागांव जाने वाले सड़क पर ले गया था। जहां टेंकर की रफ्तार तेज होने के चलते सड़क के मोड़ पर टैंकर अनियंत्रित होकर पलट गई। वहीं घटना के बाद आसपास के लोगो की जानकारी मिलते ही पेंड्रा पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुच गई है वही पुलिस के मौके पर पहुचने से पहले टैंकर में मौजूद चालक परिचालक फरार हो गए है। फ्लिहाल टैंकर में मौजूद हाइड्रो क्लोरिक एसिड का रिसाव जारी है जो आसपास के गड्ढे में भर गया है। हाइड्रोक्लोरिक एसिड निर्जल गैस या जलीय घोल के रूप में होता है और यह धातुओं के साथ अभिक्रिया करके हाइड्रोजन गैस उत्पन्न करता है, जो विस्फोटक हो सकती है। कार्बनिक और अकार्बनिक क्षारकों, कार्बोनेटों, सल्फाइडों, कार्बाइडों, बोराइडों और फॉस्फाइडों के साथ प्रतिक्रिया करके विषाक्त या ज्वलनशील गैसें उत्पन्न करता है।।फ्लिहाल पुलिस टीम मौके पर मोजूद है और आसपास से गुजरने वालो को वहां पर रुकने से मना कर रही है।।।साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल से हमने बात की तो उन्होंने बतलाया कि मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुच गई है और संबंधित ड्रग विभाग को सूचित कर दिया है और टैंकर मालिक से संपर्क किया जा रहा है साथ ही पूरे इलाके को बेरिकेट्स लगाने को भी निर्देशित किया गया है।। फ्लिहाल पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।।

अमृता शर्मा ने किया कृषि महाविद्यालय बिलासपुर को गौरवान्वित

उच्च शिक्षा हेतु भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान कटक,ओडिशा में चयनित

बिलासपुर- बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र, बिलासपुर के बीएससी (कृषि) चतुर्थ वर्ष की छात्रा कु. अमृता शर्मा का चयन उच्च शिक्षा हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारत के सबसे बड़े राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक (ओडिशा) में हुआ है।

बीएससी (कृषि) चतुर्थ वर्ष सत्र 2023- 24 में 8.46 ओ.जी.पी.ए. अंकों से प्रथम स्थान प्राप्त अमृता

भाकृअनुप - राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (एनआरआरआई, सीआरआरआई) कटक, ओडीशा में आणविक जीव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी विषय में स्नातकोत्तर उपाधि हेतु उच्च शिक्षा प्राप्त करेगी।

अयोध्या नगर, बिलासपुर निवासी श्री नित्यानंद शर्मा एवं श्रीमती स्नेहलता शर्मा की सुपुत्री अमृता प्रारंभ से ही प्रतिभाशाली रही हैं। अमृता ने लगातार 2 वर्षों तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल मड़ई में भाग लेकर वाद-विवाद प्रतियोगिता में रजत पदक और एक्सटेम्पोर में स्वर्ण पदक प्राप्त किया था।

महाविद्यालय खेल प्रतियोगिता, राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर में सक्रिय भागीदारी एवं महाविद्यालय तथा विश्वविद्यालय स्तर में आयोजित सांस्कृतिक और पाठ्येतर गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।अमृता ने छत्तीसगढ़ प्री- एग्रीकल्चर टेस्ट में चयनित होकर कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर से स्नातक उपाधि प्राप्त की थी।

अमृता की इस सफलता के लिए अधिष्ठाता डॉ. आर. के. एस. तिवारी एवं समस्त प्राध्यापकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। अमृता ने अपनी सफलता का सारा श्रेय अपने माता-पिता, अपनी बड़ी बहन, समस्त गुरुजनों एवं सहपाठियों को दिया है।

दूध एवं दुग्ध संबंधी उत्पादों में मिलावट के खतरे को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम कर रही है जांच

15 दुग्ध विक्रेताओं से नमूना संकलित कर जांच हेतु भेजा गया राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला

अम्बिकापुर/ नवरात्रि, दशहरा एवं दीपावली त्यौहार में सीमावर्ती राज्यों से नकली खोवा, मिलावटी दूध,घी, पनीर तथा गुणवत्ताहीन मिठाई के आपूर्ति की संभावना बढ़ जाती है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है। अधिकांश मिठाईयां दूध एवं दुग्ध संबंधी उत्पादों से बनाई जाती है, जिले अंतर्गत अम्बिकापुर शहर में दूध की शतप्रतिशत आपूर्ति आसपास के जिलों के अस्थाई दुग्ध विक्रेता, हॉकर, फेरीवालों एवं मोबाईल वेण्डरों द्वारा की जाती है जिसमें मिलावट की आशंका सबसे ज्यादा होती है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि नियंत्रक खाद्य एवं औषधी प्रशासन तथा कलेक्टर सरगुजा श्री विलास भोसकर के निर्देशानुसार अभिहित अधिकारी के नेतृत्व में दूध एवं दुग्ध संबंधी उत्पादों में मिलावट के खतरे को देखते हुए अम्बिकापुर शहर में आने वाले समस्त दुग्ध विक्रेता, हॉकर, फेरीवालों एवं मोबाईल वेण्डरों का विभिन्न मार्गों एवं चौक- चौराहों में औचक निरीक्षण कर नमूना संकलन एवं जांच की कार्यवाही की जा रही है। इस तारतम्य में बंगाली चौक, गांधी चौक, एम.जी.रोड, बनारस रोड एवं खरसिया रोड से आने वाले कुल 15 दुग्ध विक्रेताओं से गाय का दूध, भैंस का दूध, मिश्रित दूध, पनीर एवं खोवा इत्यादि का नमूना संकलित कर परीक्षण एवं विश्लेषण हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर भेजा गया है। राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला रायपुर से परीक्षण, विश्लेषण रिपोर्ट प्राप्त होने पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 नियम विनियम 2011 के सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी।

अस्पताल के पीछे खेल रहे थे रूपये का दांव लगा कर जुआ

पुलिस ने घेरा बंदी कर पकड़ा जुआरियानों को

छह जुआरियों से 6300 रुपए तीन मोटर साइकिल जप्त

थाना पेंड्रा, अपराध क्रमांक 299/2024, धारा, छत्तीसगढ़ जुआ (प्रतिषेध) अधिनियम 2022, 3(2)

थाना प्रभारी पेंड्रा को सूचना प्राप्त हुई की

ग्राम धोबहर में अस्पताल के पीछे कुछ लोग तास पत्ती से रुपये पैसे का दाव लगाकर हार जीत का जुआ खेल रहे है । सूचना पर से थाना प्रभारी द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री ओम चंदेल, उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती निकिता तिवारी के दिशा निर्देशन में थाना प्रभारी पेंड्रा को वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए।

थाना प्रभारी पेंड्रा की टीम के द्वारा धोबहर में अस्पताल के पीछे में घेराबंदी कर जुआ खेल रहे आरोपीगण (1) विनय गुप्ता और पिता मोहनलाल गुप्ता उम्र 36 साल निवासी धोबहर

(2) धर्मराज केसरवानी पिता स्वर्गीय अश्वनी कुमार केसरवानी 33 साल निवासी धोबहर (3) राम जी गुप्ता पिता चुन्नीलाल 51 साल निवासी धोबहर (4) श्रीकांत साहू पिता कालू साहू उम्र 42 साल निवासी मडवाही (5) रवि गुप्ता पिता रामकुमार गुप्ता उम्र 33 साल निवासी धोबहर (6) बाल सिंह उर्फ बल्लू पिता फूल सिंह उम्र 40 साल निवासी डोंगरिया को पकड़ा गया और जुआरियानो से 52 पत्ती ताश एवम् 6300 रुपये बरामद किए गया जाकर वैधानिक कार्यवाही की गई है।

करमा महोत्सव की तैयारी के सम्बन्ध में सरगुजा सम्भागायुक्त जी.आर.चुरेन्द्र ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से ली बैठक

अम्बिकापुर/ करमा महोत्सव की तैयारी के सम्बन्ध में सरगुजा सम्भागायुक्त श्री जी.आर.चुरेन्द्र ने गुरुवार को जिला कलेक्टरेट के एनआईसी कक्ष से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सम्भाग के समस्त जिलों के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में उन्होंने कहा कि राज्य की जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से करमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि महोत्सव का आयोजन ग्राम पंचायत, विकासखण्ड, जिला तथा राज्य स्तर पर किया जाना है। ग्राम एवं विकासखण्ड स्तर के आयोजन सम्बन्धित जिले में किए जाएंगे, वहीं जिला एवं राज्य स्तर का आयोजन सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्राम एवं विकासखण्ड स्तर के आयोजन के लिए सभी जिले अभी से तैयारी शुरू कर लें। आयोजन के दौरान उत्सव का माहौल हो, सभी आयुवर्ग के लोगों को इसमें शामिल करें, स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित कर कार्यक्रम को सफल बनाएं। उन्होंने कहा कि सभी स्तरों में निर्णायक समिति बना ली जाए।

बैठक में आयुक्त श्री चुरेन्द्र ने कहा कि जिला एवं राज्य स्तर का आयोजन सरगुजा जिले के अम्बिकापुर में किया जाएगा। विकासखण्ड स्तर के चयनित प्रतिभागी जिला स्तर में अपनी प्रस्तुति देंगे, जिसके बाद जिला स्तर के चयनित प्रतिभागी राज्य स्तर में हिस्सा लेंगे। उन्होंने सभी जिले के कलेक्टर को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रतिभागियों के आवागमन सहित अन्य व्यवस्थाओं की तैयारी पूर्व में सुनिश्चित कर लें। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले महोत्सव कार्यक्रम के सुचारू एवं सफल संचालन हेतु राज्य स्तर पर आयोजन समिति का गठन किया गया है। उन्होंने राज्य स्तर के कार्यक्रम के लिए आयोजन स्थल के सम्बन्ध में चर्चा के साथ ही अन्य व्यवस्थाओं पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े सभी जिलों के कलेक्टर से आयोजन के सम्बन्ध में सुझाव भी लिए गए। इस दौरान एनआईसी कक्ष में कलेक्टर श्री विलास भोसकर, सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर, उपायुक्त श्री प्रणव सिंह, उपायुक्त श्री आरके खूंटे सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जल आवर्धन योजना और मणि कंचन केन्द्र गौरेला का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

गौरेला पेंड्रा मरवाही । कलेक्टर लीना कमलेश मंडावी ने आज गौरेला नगरीय निकाय के जल आवर्धन योजना और ठोस एवं तरल संसाधन प्रबंधन केन्द्र (मणि कंचन केन्द्र) का निरीक्षण किया। उन्होंने गौरेला जल आवर्धन योजना अंतर्गत अंजनी में निर्मित 2.50 एम.एल.डी. क्षमता के जल जल शोधन संयंत्र का निरीक्षण किया और वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए जल शोधन संयंत्र में जल शोधन प्रक्रिया में उपयोग किये जाने वाले एल्यूम की उचित मात्रा का प्रयोग करने एवं निरंतर पेयजल प्रदाय करने कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी आर. के. उरांव को निर्देश दिए।

श्री उरांव ने बताया कि मलनिया डेम के रॉ वाटर का इस जल शोधन संयंत्र में उपचार (शोधन) कर गौरेला शहर में स्थित उच्चस्तरीय टंकियो में भरा जाता है, जिसके माध्यम से शहर वासियों को शुद्ध एवं स्वच्छ पेयजल प्रदान किया जा रहा है।

कलेक्टर ने मणि कंचन केन्द्र का निरीक्षण कर नगरपालिका गौरेला के अन्तर्गत घरों से निकलने वाले कचरों का वैज्ञानिक पद्धति से निपटान करने मुख्य नगरपालिका अधिकारी नारायण साहू को निर्देश दिए।

उन्होंने केन्द्र में स्थापित बेलिंग फटका मशीन का भी अवलोकन किया। इस मशीन के माध्यम से प्लास्टिक बैग को अलग किया जाता है। उन्होंने केन्द्र में निर्मित कम्पोस्ट खाद को उद्यानिकी विभाग से समन्वय कर विक्रय करने और समूह की महिलाओं को आर्थिक लाभ दिलाने निर्देश दिए।

गुड़हल के पौधे पर लगे हुए फूल लोगों को बहुत अच्छे लगते हैं। मगर बदलते मौसम के साथ ही गुड़हल का पौधा मुरझाने लग जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप पहले से ही कुछ बातों का ध्यान रखें। इससे ना ही आपके गुड़हल के पौधे पर कीड़े लगेंगे और ना ही वो मुरझाएगा। आइए जानते हैं गुड़हल के पौधे को हमेशा हरा-भरा रखने के लिए क्या करना चाहिए।

गुड़हल के पौधे को रखें हमेशा हरा-भरा

गुड़हल के पौधे के लिए स्प्रे

गुड़हल के पौधे और पत्तियों में किड़े लग जाए तो इसके लिए आप नीम के तेल से स्प्रे तैयार करके इस्तेमाल करें। इसके लिए आपको 1 बाउल पानी लेना है और उसमें 1 चुटकी बेकिंग सोडा, 1 चम्मच शैम्पू और 2-3 बूंदें नीम के तेल की मिलाकर स्प्रे तैयार करना है। अब इस स्प्रे को पौधे पर हफ्ते में एक बार जरूर स्प्रे करें।

गुड़हल के पौधे को लगाते वक्त सही मिट्टी लगाने के साथ-साथ आपको 4-6 महीने में दोबारा पौधे की मिट्टी बदलनी चाहिए। अगर आप मिट्टी बदल नहीं रहे हैं, तो खुरपी की मदद से उसे अच्छी तरह से खुरेच दें। इसके बाद मिट्टी में खाद आदि मिलाएं और उसे फ्रेश कर दें। इस ट्रिक की मदद से गुड़हल के पौधे से जुड़ी आदी परेशानियां खत्म हो जाएंगी।

गुड़हल के पौधे की कटींग

बहुत से लोग गुड़हल के पौधे पर लगी 1-2 खराब पत्तियों को इग्नोर कर देते हैं। ऐसा करना गलत है। कोशिश करें कि आप गुड़हल के पौधे पर जैसे ही कोई पत्ती या हिस्सा खराब हो, उसे काट दें। ऐसा करने से आपका पौधा हमेशा हरा-भरा रहेगा।

गुड़हल के पौधे में डालें इनो

इन सभी टिप्स के साथ-साथ गुड़हल के पौधे में इनो को पानी डालें। हफ्ते में 1 बारी इस ट्रिक को फॉलो करने पर आपके पौधे से किड़े भाग जाएंगे और पौधे पर ढेर सारे फूल खिलेंगे।

नवरात्रि की सप्तमी पर होती है मां कालरात्रि की पूजा

नवरात्रि का सातवां दिन मां दुर्गा के कालरात्रि स्वरूप को समर्पित है। मान्यताओं अनुसार जो श्रद्धालु सच्चे मन से मां कालरात्रि की पूजा-अर्घना करते हैं उनके सारे दुख दूर हो जाते हैं। इस साल नवरात्रि की सप्तमी 9 अक्टूबर को मनाई जा रही है। बता दें नवरात्रि के सातवें दिन को दुर्गा सप्तमी के नाम से भी जाना जाता है।

मां कालरात्रि की व्रत कथा

पौराणिक कथा के अनुसार एक समय रक्तबीज नामक राक्षस का उत्पाद काफी ज्यादा बढ़ गया था। जिससे मनुष्य समेत सभी देवी-देवता परेशान हो गए थे। ऐसा कहा जाता है कि रक्तबीज नामक राक्षस को एक ऐसा वरदान प्राप्त था कि जैसे ही उसके शरीर से एक भी खून की बूंद धरती पर गिरगी तो उसके एक अन्य असुर पैदा हो जाएगा। जिसकी वजह से उसका अंत करना मुश्किल हो रहा था। तब इस समस्या का हल निकालने के लिए सभी देवता भगवान शिव की शरण में पहुंचे। भगवान शिव ने कहा कि इस दानव का अंत केवल मां पार्वती ही कर सकती हैं। तब सभी देवी-देवताओं ने मां पार्वती से इस राक्षस का अंत करने की प्रार्थना की। जिसके बाद मां पार्वती ने खुद के तेज से मां कालरात्रि को उत्पन्न किया। फिर माता ने रक्तबीज का अंत कर दिया। माता ने रक्तबीज से निकलने वाले रक्त को अपने मुख में ले लिया।

मां कालरात्रि के मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमो
नमः॥

पुरानी साड़ी से बनाएं पर्दा

पुरानी साड़ी को दोबारा इस्तेमाल करने का सही तरीका है कि आप उससे घर के अलग-अलग हिस्सों के लिए पर्दे बना लें। अगर आपकी ओपन किचन है या रसोई में विंडो है, तो आप उसके लिए भी पुरानी साड़ी से पर्दे बना सकते हैं।

आपको बस साड़ी के सही हिस्से को पर्दे का आकार देना है। इसके बाद आप उसे पर्दे की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। कोशिश करें कि आप बहुत लाइट रंग की साड़ी को पर्दे की तरह इस्तेमाल ना करें।

पुरानी साड़ी को अलग-अलग कामों के लिए करें इस्तेमाल

घर में मौजूद किसी भी चीज को फेंकने से बचे। बहुत बार हम सामान को खराब समझकर फेंक देते है, जो गलत है। बता दें कि आप दूध के पैकेट से लेकर कपड़ों तक को दोबारा इस्तेमाल कर सकते है। आइए जानते है पुरानी साड़ी की मदद से आप कैसे अलग-अलग काम कर सकते है।

पुरानी साड़ी से बनाएं फ्रिज का कवर

पुरानी साड़ी की मदद से आप फ्रिज का कवर भी बना सकते हैं। फ्रिज पर बार-बार लगने वाली धूल-मिट्टी एक समय के बाद नए फ्रिज को पुराना बना देती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पुरानी साड़ी को फ्रिज के कवर का आकार दें और उसपर एक्ट्रा पॉकेट भी लगाएं।

ऐसे में कवर से फ्रिज साफ भी रहेगा और उसमें आप छोटा-मोटा सामान भी रख पाएंगे। फ्रिज के हैंडल पर लगने वाले जिद्दी दागों से बचने के लिए आप साड़ी से फ्रिज के हैंडल के लिए भी कवर बना सकते हैं।

पुरानी साड़ी से करें बर्तनों को साफ

पुरानी साड़ी को आप रसोई के गीले बर्तनों को साफ करने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको किचन के लिए अलग से डस्टर नहीं लेना पड़ेगा। इसके साथ-साथ आप पुरानी साड़ियों से रसोई की गंदगी भी साफ कर सकते हैं।

किचन अलमारी के लिए करें यूज

इन सभी टिप्स के साथ-साथ आप पुरानी साड़ी को किचन के कामों के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। कॉकरोच जैसी समस्याओं से रसोई को बचाने के लिए यह एक बहुत अच्छा तरीका है।

डाइजेशन को सुधारने के लिए इलायची चाय

हम जो भी खाते हैं, उसका सही से पचना बहुत जरूरी है। अगर खाना ठीक से नहीं पचता है, तो न केवल इससे डाइजेशन से जुड़ी समस्याएं हो सकती है, बल्कि इसका असर आपके पूरा शरीर पर होता है। खाने का सही से पचना, इससे शरीर को जरूरी न्यूट्रिएंट्स और एनर्जी मिलना व अपशिष्ट पदार्थों का शरीर से बाहर निकलना बहुत जरूरी है। जब खाना ठीक से नहीं पचता है, तो शरीर को जरूरी पोषण भी नहीं मिलता है और इससे मोटापा भी बढ़ता है। मेटाबॉलिज्म कमजोर होने पर खाना ठीक से नहीं पचता है। जिससे अपच, गैस, ब्लोटिंग और एसिडिटी हो सकती है।

- अगर आपको खाने के बाद पेट में भारीपन महसूस होता है, खाना ठीक से नहीं पचता है और लंच के बाद इलायची चाय पिएं।
- यह डाइजेशन को सुधारती है और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करती है।
- इलायची वाली चाय केवल स्वाद में ही अच्छी नहीं होती है, बल्कि इसके एंटीऑक्सीडेंट गुण मेटाबॉलिज्म और डाइजेस्टिव सिस्टम को दुरुस्त रखते हैं।
- इसमें फाइबर भी अधिक मात्रा में पाया जाता है। इसलिए यह खाना पचाने के साथ कब्ज, गैस और एसिडिटी भी दूर करती है।
- कुछ लोगों को गैस की वजह से खाने के बाद उल्टी और पेट दर्द महसूस होता है, ऐसे में आप इस चाय को जरूर पिएं।
- इलायची में सोडियम, पोटेशियम, फाइबर, प्रोटीन और विटामिन सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। डाइजेशन सही करने के अलावा, इसकी चाय के और भी कई फायदे हैं।
- मौसम बदलने पर अगर आप सर्दी, खांसी और शरीर के दर्द से परेशान हैं, तो भी यह चाय मदद कर सकती है।
- पेट में गर्मी, जलन और एसिडिटी को भी यह दूर करती है।

ऐसे माता या पिता जिनके छोटे बच्चे होते हैं, जब वे वर्क फ्राम होम स्कीम के तहत घर से काम करते हैं। तो इसमें वे ऑफिस की जरूरी वीडियो कॉल के समय अपने बच्चों को संभालने की कोशिश करते हैं या फिर किसी टास्क को पूरा कर रहे होते हैं। हालांकि, बच्चे नटखट हो सकते हैं और आपके काम में बाधा भी उत्पन्न कर सकते हैं। इससे बच्चे आपके कामों को समय से पूरा करना कठिन भी बना सकते हैं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि अपने बच्चे का मनोरंजन करने के साथ साथ देखभाल करना असंभव है। कुछ ऐसे तरीके हैं जिसे इस्तेमाल से लाने से आप आसानी से काम कर सकते हैं।

घर से काम करते समय बच्चों की ऐसे करें देखभाल

- बच्चों को देखभाल और ध्यान की आवश्यकता इसलिए होती क्योंकि उन्हें स्कूल, खेल और अन्य गतिविधियों के लिए आपको ही ले जाना पड़ सकता है।
- घर से काम करते समय अपने बच्चों को खाना, कपड़े और अन्य जरूरतों की आवश्यकता हो सकती है। साथ ही आपको ऑफिस का काम भी देखना पड़ सकता है। इस बीच समय का सही तालमेल बिठाना जरूरी हो सकता है।
- घर से काम करते समय बच्चों की देखभाल करना एक चुनौती हो सकती है, लेकिन यह संभव है। पैरेंट को अपने काम और बच्चों की देखभाल के बीच संतुलन बनाने के लिए कुछ योजना बनाने की आवश्यकता होती है।
- अपने काम के समय को सारणी बनाकर व्यवस्थित तरीके से निर्धारित करें। इसके लिए काम करने और बच्चों की देखभाल के समय का खास निर्धारित कर सकते हैं। टाइम मैनेज करें ताकि आप काम भी कर सकें और बच्चों को भी ध्यान दे सकें।
- अपने बच्चों को अपने काम में शामिल करें। अपने बच्चों को अपने काम में शामिल करके उन्हें जिम्मेदारी और आत्मविश्वास का अनुभव कराने में भी मदद कर सकते हैं। उन्हें छोटे-छोटे काम सौंपें, जैसे कि खुद से डायपर बदलना, थोड़े बहुत कपड़े धोना या साफ सफाई करना।
- आपने बच्चों के साथ सामूहिक खेल खेलने का प्रयास करें, जैसे कि बोर्ड खेल, पहेलियां और कहानियां सुनाना। इससे बच्चे मनोरंजन के साथ-साथ कुछ नया भी सीख सकते हैं।
- अगर आपको सहायता की आवश्यकता पड़ती है, तो दोस्तों, परिवार के सदस्यों, किसी रिश्तेदार, या नर्सरी की मदद ले सकते हैं।
- बच्चों को सामाजिक संबंध बनाने और अपने दोस्तों और परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का अवसर दें। इससे आपके बच्चे आपको काम करने में परेशान भी नहीं करेंगे साथ ही वे एंजॉय कर सकते हैं।

ब्लू व्हेल तक स्तनपायी जानवरों की विविधता

हम सभी जानते हैं कि शरद ऋतु का आगमन हो रहा है और फिजाओं में त्यौहारों का उत्साह भरने लगा है, सबसे लोकप्रिय तथ्यात्मक मनोरंजन चैनलों में से एक, सोनी बीबीसी अर्थ दर्शकों के लिए प्रेरणा और मनोरंजन से भरपूर शोज की रोमांचक श्रृंखला लेकर आ रहा है। 'इनसाइड द फैक्ट्री' में रोजमर्रा के उत्पादों को बनाने की जटिल प्रक्रियाओं से लेकर 'मैमल्स' में स्तनपायी जीवों की अनोखी दुनिया तक, इन शोज को देखकर दर्शकों को खूब मजा आएगा।

'इनसाइड द फैक्ट्री'का यह आठवां सीजन है, जिसमें दर्शक यूरोप के सबसे बड़े कारखानों का दिलचस्प भ्रमण करेंगे। 7 अक्टूबर के दिन लोगों को रोजमर्रा की वस्तुओं के पीछे का विज्ञान देखने का मौक़ा मिला, जिसमें जीन्स से लेकर बाथ बॉम्ब्स और जेलीबीन्स तक के उत्पादन की जानकारी मिलेगी। ग्रेग वॉलेस और चेरी हीली के साथ इन सामग्रियों की उत्पादन प्रक्रिया और इन घरेलू सामग्रियों के इतिहास की जानकारी प्राप्त करें। साथ ही, 21 अक्टूबर को 'मैमल्स' में दर्शकों को प्राणी जगत के अद्भुत दर्शन होंगे। छः भागों की इस सीरीज में नन्हें इट्स्केन छछूंदर से लेकर विशाल ब्लू व्हेल तक स्तनपायी जानवरों की विविधता और अनुकूलनशीलता को दर्शाया गया है। देखें और जानें कि कठिन वातावरण में ये जंतु किस प्रकार फलते-फूलते हैं और बदलती दुनिया में की चुनौतियों का किस प्रकार सामना करते हैं। आप इस सीरीज में उन जानवरों की बुद्धिमत्ता, सामाजिकता, और दृढ़ता देखने के साथ हमारी पृथ्वी के क्रमिक विकास का परिदृश्य देखेंगे।

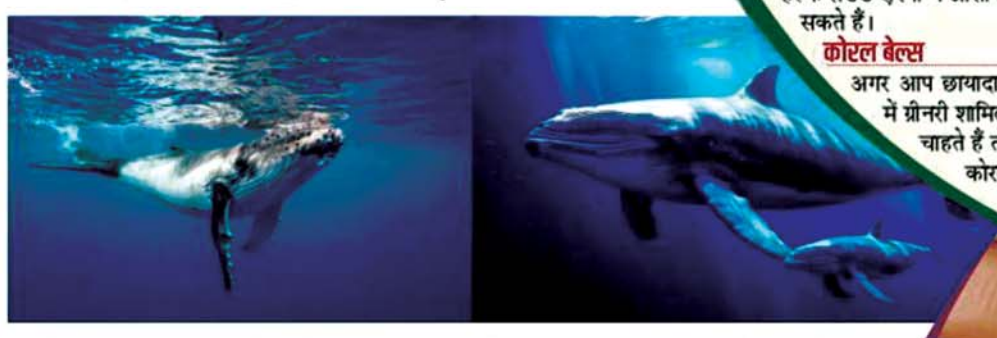

बिना सनलाइट भी कभी मुरझाएंगें नहीं ये प्लांट

हम सभी अपने घर में प्लांट्स को जरूर रखते हैं। कुछ लोग घर के अंदर तो कुछ घर के बाहर प्लांट्स रखना पसंद करते हैं। आमतौर पर, प्लांट्स रखते समय हम सबसे पहले यह देखते हैं कि उसे सही तरह से धूप मिले। इस वजह से कई बार हम अपनी मनपसंद जगह पर प्लांट नहीं रख पाते हैं। अगर आपके साथ भी अक्सर यह समस्या होती है तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे कई प्लांट्स होते हैं, जिन्हें छाया में भी रखा जा सकता है। ये प्लांट्स को हल्की धूप से भी अच्छी तरह खिलते हैं। वहीं, अगर इन्हें धूप नहीं भी मिलती है तो भी इन्हें खिलने में परेशानी नहीं होती है।

फ़र्न

फर्न की कई प्रजातियां हैं, जो अलग-अलग साइज और शेप में अवेलेबल हैं। इसलिए, इन्हें डिफरेंट गार्डन स्टाइल के लिए सलेक्ट किया जा सकता है। वे लगातार नम मिट्टी वाले शेडेड या फिर हल्के शेडेड एरिया में आसानी से रख सकते हैं।

कोरल बेल्स

अगर आप छायादार एरिया में ग्रीनरी शामिल करना चाहते हैं तो ऐसे में कोरल बेल्स लगाना भी अच्छा विचार हो सकता है। इन पौधों में रंग-बिरंगे पत्ते होते हैं, जो छायादार एरिया को भी खूबसूरत बनाने मेंअ मदद करता है। उन्हें आंशिक से लेकर पूरी तरह से छायादार हिस्से में रखा जा सकता है। हालांकि, इनकी लगातार ग्रोथ के लिए फूलों के डंठलों को खिलने के बाद ट्रिम करना ना भूलें।

एस्टिल्ब्स

एस्टिल्ब्स एक बेहद ही खूबसूरत पौधा है, जिस पर अलग-अलग रंगों में खूबसूरत फूल आते हैं। वे लगातार नम मिट्टी के साथ आंशिक से पूर्ण छाया में पनपते हैं। इसलिए, इन्हें छायादार हिस्से में बिना किसी परेशानी के रखा जा सकता है।

जापानी फोरेस्ट:

ग्रास घास की यह किस्म शेड टॉलरेंट है, जिससे आपके गार्डन एरिया और भी अधिक ग्रेसफुल बनता है। इसे आप हल्की छाया से लेकर पूरी छायादार जगह पर रख सकती है। नि

लिली ऑफ द वैली

यह एक खुशबूदार पौधा है, जो बेल के आकार का होता है। यह देखने में भी बेहद खूबसूरत लगता है और इसलिए इसे आउटडोर या इनडोर आसानी से रखा जा सकता है। इन्हें आंशिक से लेकर पूरी तरह छायादार एरिया में रखा जा सकता है।

ट्रॉली बैग क्लीन करने के तरीके

सफर के दौरान हमारा ट्रॉली बैग धूल, मिट्टी, गंदगी का भी सामना करता है जिस कराण यह जल्दी गंदा हो जाता है। कई बार हम सफर से वापस आने के बाद बिना बैग को साफ किए इसे वैसे ही घर के एक कौने में रख देते हैं, जिस कारण इसमें से बदबू भी आने लगती है। ऐसे में आज हम आपके लिए कुछ ऐसे टिप्स और ट्रिक्स लेकर आए है, जिसकी मदद से आप घर पर ही अपने ट्रॉली बैग को साफ कर सकते हैं।

हाथ से करें सफाई

अगर आपका ट्रॉली बैग कपड़े का बना है तो आप इसे अपने हाथ से साफ कर सकते हैं। बना है और हाथ धोने के लिए उपयुक्त है, तो एक बाथटब को गुनगुने पानी से भरे और फिर इसमें लिक्विड डिटर्जेंट डालें। अब अपने बैग को साबुन के पानी में डुबोएं और हल्के हाथों से ब्रश से रगड़कर साफ करें। फिर इसे साफ पानी से साफ कर दें और धूप में सूखने के लिए रख दें।

स्पॉट क्लीनिंग

सफर के दौरान बैग के बाहरी हिस्से पर छोटे-छोटे दाग या धब्बे पड़ जाते हैं। ऐसे में आप स्पॉट क्लीनिंग की मदद से इसे साफ कर सकते हैं। आपको बस हल्के डिटर्जेंट और पानी के मिश्रण में साफ कपड़े या स्पंज को भिगोना है। फिर हल्के हाथों से दाग वाले क्षेत्र को साफ करना है। जब एक बार दाग साफ या हल्का हो जाए तो इसे सुखे और साफ कपड़े से साफ कर दें।

ट्रॉली बैग के पहियों की सफाई

ट्रॉली बैग के पहियों में गंदगी और मलबा जमा हो जाता है। ऐसे में उन्हें साफ करने के लिए आप एक कपड़े या स्पंज को पानी और हल्के डिटर्जेंट में भीगो लें। इसके बाद अपने ट्रॉली बैग के पहियों को अच्छे से साफ करें और उस पर लगी गंदगी को निकाल दें। आखिर में साफ पानी से इसे धोना ना भूलें।

पवित्र परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत की खोज

भारत की पहली लक्जरी आध्यात्मिक यात्रा कंपनी सॉइल2सोल एक्सपीडिशन को भारत की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत की खोज के लिए समर्पित एक अभिनव ई-पत्रिका, अंतर यात्रा के लॉन्च की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है। स्वामी गोविंददेव गिरि जी ने भारत की पवित्र परंपराओं और आध्यात्मिक विरासत की खोज करने वाली एक नई ई-पत्रिका अंतर यात्राः आत्मा की यात्रा का अनावरण किया। अनावरण के दौरान स्वामी गोविंददेव गिरि ने कहा कि अंतर-यात्रा केवल एक ई-पत्रिका नहीं है, बल्कि यह आंतरिक यात्रा की खोज है। उन्होंने कहा कि इसे सॉइल2सोल एक्सपीडिशन के लिए पहले कदम के रूप में पोजिशन करते हुए, यह आध्यात्मिक अन्वेषण के केंद्र में है। Soil2Soul Expeditions के सीईओ और प्रबंध निदेशक विशाल शाह और एक प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वान प्रोफेसर सम्पदानंद मिश्रा द्वारा परिकल्पित अंतर यात्रा का उद्देश्य पाठकों को भारत की आत्मा से जोड़ना है, जहां आध्यात्मिकता जीवन के हर पहलू का हिस्सा है।

विशाल शाह ने कहा कि ई-पत्रिका भारत भर के पवित्र स्थलों में प्रेरणादायक जानकारी और अंतर्दृष्टि प्रदान करेगी, जो अनुभवी आध्यात्मिक साधकों और नवागंतुकों, विशेष रूप से भारत के युवाओं दोनों को पूरा करेगी। हमारा उद्देश्य पाठकों को भारत की आत्मा से जोड़ना है, जहां आध्यात्मिकता जीवन के हर फाइबर में समाया हुआ है। Soil2Soul Expeditions आध्यात्मिक पर्यटन में एक नए युग का नेतृत्व कर रहा है, जो गहराई से समृद्ध आध्यात्मिक अनुभवों के साथ शानदार सुविधाओं का संयोजन करता है। टीम में जानकार विद्वान और आध्यात्मिक मार्गदर्शक शामिल हैं, जो आध्यात्मिक पर्यटन के परिदृश्य को बदलने और इसे विविध दर्शकों के लिए सुलभ बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ग्लिटरी शेड से रंगें नाखूनों को

गोल्ड

आप गोल्ड से कभी भी उक्ता नहीं सकते। फिर चाहे बात कपड़ो की हो, ऐक्सेसरीज़ की या ब्यूटी प्रॉडक्ट्स की। गोल्ड एक ऐसा शेड है, जो भीड़ में आपको सबसे अलग दिखा सकता है। इस शेड को अपने नाख़ूनों पर सजाएं और इसका जादू चलने दें। बेस कोट लगाएं और दो कोट्स मेटैलिक गोल्ड नेल पेंट के लगाएं।

एमरल्ड ग्रीन

इस शेड को अपने मैनिक्योर किट में जरूर रखें। बेस कोट लगाएं और फिर उसपर एमरल्ड ग्रीन कलर लगाएं। नाख़ूनों को सूखने के लिए कम से कम 10 मिनट तक का वक़्त दें। स्पार्कलिंग नाख़ून चाहती हैं, तो हाइ-शाइन ग्लिटर ग्लॉस का फ़ाइनल टॉप कोट लगाएं।

सफ़ायर ब्लू

यदि आपकी रंगत गोरी है, तो इस शेड से अपने नाख़ूनों को सजाने में बिल्कुल देरी न करें। वैसे यह शेड सांवली रंगत पर भी अच्छा लगता है। क्लासी नेल्स पाने के लिए बेस कोट यानी सफ़ायर ब्लू से नाख़ूनों को तैयार करें। सुनहरे रंग के नेलपेंट से नाख़ून के बीचोंबीच ट्राइऐंगल बनाएं। बीच वाले नाख़ून और अंगूठे पर के ट्राइऐंगल को नाख़ून के सिरों तक लगाएं। वहीं बाक़ी नाख़ूनों पर छोटा-सा ट्राइऐंगल बनाएं। चाहें तो आप सुनहरे रंग से अलग-अलग ज्योमेट्रिकल शेप्स भी बना सकती हैं।

पर्पल ग्लिटर

गहरे शेड को ग्लिटर के साथ आज़माने का इससे बेहतर तरीक़ा क्या होगा? पर्पल शेड के दो कोट्स लगाएं। नेल कलर को सूखने दें। जब पॉलिश अच्छी तरह सेट हो जाए, तो थोड़ा-सा ग्लिटर पहली दो उंगलियों पर थपथपाएं। अब ऊपर से क्लियर टॉप कोट लगाएं, ताकि ग्लिटर्स सेट हो सकें।

भारत के बाजार में गिरावट, तो पाकिस्तान के स्टॉक एक्सचेंज में रिकॉर्ड तेजी

बिजनेस डेस्कः भारत के बाजार में गिरावट जारी है लेकिन पाकिस्तान के शेयर बाजार ने नए रिकॉर्ड बनाए हैं। सोमवार को पाकिस्तान स्टॉक एक्सचेंज 84,000 के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। क्स्ङ्क का बेंचमार्क चस्श्व-100 इंडेक्स 1.67 फीसदी चढ़कर 84,984.13 पर पहुंच गया, जबकि पिछला बंद स्तर 83,531.95 अंक था। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के अनुसार कारोबारियों का कहना है कि सोमवार को शेयर बाजार ने 84,500 के स्तर को पार कर लिया, जिसका मुख्य कारण एनर्जी सेक्टर में तेजी रही, क्योंकि निवेशकों को उम्मीद है कि सेंट्रल बैंक अपनी अगली मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग में एक बार फिर ब्याज दरों में कटौती करने के लिए तैयार है।

क्या है तेजी का कारण

एक्सपर्ट का कहना है कि अर्निंग सीजन में अटकलों के बीच ब्लू चिप ऑयल शेयरों की अगुआई में शेयर ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उछाल, बैंकिंग लेडिंग रेट में गिरावट और सरकारी कंपनियों के निजीकरण पर सरकार के विचार-विमर्श ने पीएसएक्स में तेजी में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। तेजी वाले सेक्टर्स में ऑटोमोबाइल असेंबलर, सीमेंट, कमर्शियल बैंक, फर्टिलाइजर, ऑयल एंड गैस एक्सप्लोरेशन कंपनियां और ऑयल मार्केटिंग कंपनियां (हस्ष्ट) शामिल हैं।

महंगाई में गिरावट

एनालिस्ट के अनुसार ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीदे पहला कारण है, जिसमें कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (ष्टक्कढ्ढ) महंगाई में लगातार गिरावट का हवाला दिया गया, जो सितंबर में सिंगल डिजिट में 6.9त्न तक पहुंच गई। एक पाकिस्तानी न्यूज वेबसाइट के अनुसार चेस सिक्योरिटीज के डायरेक्टर रिसर्स यूसुफ एम फारूक ने कहा, फ्यील्ड में गिरावट ने शेयर बाजार में रुचि बढ़ा दी है, क्योंकि कम लोअर फिक्स्ड इनकम ने निवेशकों को इक्विटी में हायर यील्ड की तलाश करने के लिए प्रेरित किया है।

चुनावी नतीजों के बीच शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव

बिजनेस डेस्कः दो राज्यों में विधानसभा चुनाव परिणाम और ग्लोबल बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के चलते आज बाजार में छह दिनों बाद तेजी देखने को मिली। मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी अच्छी खरीदारी दर्ज की गई, जिससे बीएसई पर लिस्टेड सभी कंपनियों की कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन में ?8 लाख करोड़ की बढ़त हुई। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के कारण बाजार में उत्साह रहा। हालांकि, चीन की अर्थव्यवस्था के लिए किए गए उपायों का मेटल स्टॉक्स पर असर नहीं दिखा और उन पर दबाव देखा गया।

सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त

आज की तेजी के साथ निफ्टी ने एक बार फिर 25,000 के स्तर को पार कर लिया। इंडेक्स के 50 में से 35 स्टॉक्स

सेंसेक्स 400 अंक चढ़ा, निफ्टी 24900 के पार

छह दिनों बाद मंगलमय हुआ बाजार, निवेशकों को 8 लाख करोड़ का फायदा

हरे निशान में बंद हुए, जबकि मिडकैप इंडेक्स 2त्न की बढ़त के साथ बंद हुआ। दिन के अंत में, सेंसेक्स 585 अंकों की उछाल के साथ 81,635 पर, और निफ्टी 217 अंकों की बढ़त के साथ 25,013 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 1236 अंकों की तेजी के साथ 58,536 पर बंद हुआ, और निफ्टी बैंक 542 अंकों की बढ़त के साथ 51,021 पर बंद हुआ।

तेजी वाले स्टॉक्स

आज अदाणी ग्रुप के स्टॉक्स में शानदार तेजी देखने को मिली। हरियाणा विधानसभा चुनाव के अच्छे प्रदर्शन के बाद सरकारी कंपनियों के स्टॉक्स में भी उछाल दिखा। Nift4 PSU इंडेक्स 2त्न की बढ़त के साथ बंद हुआ। Trent के लैब डॉयमंड्स ज्वेलरी लाइन लॉन्च के बाद, इसका स्टॉक 8त्न की उछाल के साथ बंद हुआ। HDFC Bank और Reliance Industries ने निफ्टी की तेजी में सबसे बड़ा योगदान दिया।

अन्य स्टॉक्स में गतिविधि

Paytm में 8 महीने की सबसे बड़ी एक दिन की तेजी दर्ज की गई, और स्टॉक 13त्न की बढ़त के साथ बंद हुआ। SpiceJet ने भी 8त्न की बढ़त दर्ज की, और कंपनी ने नवंबर के अंत तक अपने फ्लीट में 10 नए एयरक्राफ्ट शामिल करने की घोषणा की। टेलीकॉम विभाग से बैंक गारंटी को लेकर बातचीत की खबर के बाद Vodafone Idea 4% की बढ़त के साथ बंद हुआ। MOIL ने सितंबर में बेहतरीन प्रोडक्शन और बिक्री आंकड़े दर्ज किए, जिसके बाद स्टॉक 2% ऊपर बंद हुआ। दूसरी तिमाही के बिजनेस अपडेट के बाद Godrej Consumer और Sobha लाल निशान में बंद हुए। वहीं, Ola Electric की तीन दिनों की तेजी आज टूट गई लेकिन निचले स्तरों से स्टॉक 6% की बढ़त के साथ बंद हुआ।

टमाटर की बढ़ती कीमतों पर लगाम, अगले 3-4 दिनों में कीमतों में आएगी गिरावट...

नई दिल्ली- टमाटर की बढ़ती कीमतों पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने दिल्ली-एनसीआर में 50 स्थानों पर 65 रुपये प्रति किलो की दर से टमाटर बेचने की पहल की है। यह बिक्री नैशनल कोऑपरेटिव कंस्यूमर्स फेडरेशन की मोबाइल वैन के माध्यम से दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा और गाजियाबाद में की जा रही है।

सोमवार को उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय की ओर से जानकारी दी गई कि 7 अक्टूबर को दिल्ली में टमाटर का औसत भाव 90 रुपये प्रति किलो था, जबकि एक महीने पहले, 7 सितंबर को यह 43 रुपये प्रति किलो था। सालभर पहले के मुकाबले, जब टमाटर 27 रुपये प्रति किलो था, मौजूदा भाव में 233त्न से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। महाराष्ट्र में भी टमाटर के भाव में भारी उछाल देखा गया है। 7 अक्टूबर को महाराष्ट्र में औसत भाव 61.26 रुपये प्रति किलो था, जबकि एक महीने पहले यह 34.68 रुपये था। पिछले साल के मुकाबले यह भाव 213त्न से ज्यादा बढ़ा है। इतना ही नहीं उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने ह्रष्टष्टस्न की मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि अगले 3-4 दिनों में टमाटर की कीमतों में गिरावट आने की उम्मीद है। ह्रष्टष्टस्न सीधे मंडियों से टमाटर खरीदकर इन वैन के माध्यम से कम कीमत पर बेच रहा है। मंत्रालय का मानना है कि कीमतों में हालिया उछाल के पीछे बिचौलियों का भी हाथ हो सकता है, जो त्योहारी सीजन में ज्यादा मांग का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। सरकार की यह पहल बिचौलियों की हरकतों पर लगाम लगाने का प्रयास है।

दुनियाभर के शेयरों में भूचाल से अरबपतियों को बड़ा झटका Adani-Ambani और एलन मस्क को भारी नुकसान

बिजनेस डेस्कः सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में लगातार छठे दिन गिरावट जारी रही, जिससे वैश्विक अमीरों की संपत्तियों पर भी असर पड़ा। अमेरिकी शेयर बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली, जिससे दुनिया के 20 में से 16 प्रमुख अरबपतियों की नेटवर्थ में गिरावट आई। सबसे ज्यादा नुकसान एलन मस्क को हुआ, जिनकी संपत्ति में 6.61 अरब डॉलर की गिरावट आई। वहीं, ऐमजॉन के संस्थापक जेफ बेजोस ने 5.12 अरब डॉलर गंवाए और भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी की संपत्ति में 3.26 अरब डॉलर (लगभग 2,73,77,88,75,000 रुपए) की गिरावट आई। एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति मुकेश अंबानी को 1.16 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर इंडेक्स के अनुसार, अडानी की कुल संपत्ति 96.2 अरब डॉलर है, जिससे वह दुनिया के अमीरों की सूची में 18वें स्थान पर बने हुए हैं। इस साल उनकी संपत्ति में 11.9 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। मुकेश अंबानी 14वें स्थान पर हैं और उनकी संपत्ति इस साल 104 अरब डॉलर है।

सोना-चांदी खरीदने वालों को राहत

सोना 78,700 रुपए के नए रिकॉर्ड पर, चांदी कमजोर

बिजनेस डेस्कः मंगलवार (8 अक्टूबर) को सोना-चांदी खरीदने वालों को राहत मिली है। दोनों के वायदा भाव आज गिरावट के साथ खुले। खबर लिखे जाने के समय आज सोने के वायदा भाव 0.18 फीसदी की गिरावट के साथ 75,906 रुपए, जबकि चांदी के वायदा भाव 1.11 फीसदी गिर कर 91,328 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के भाव में गिरावट देखी जा रही है।

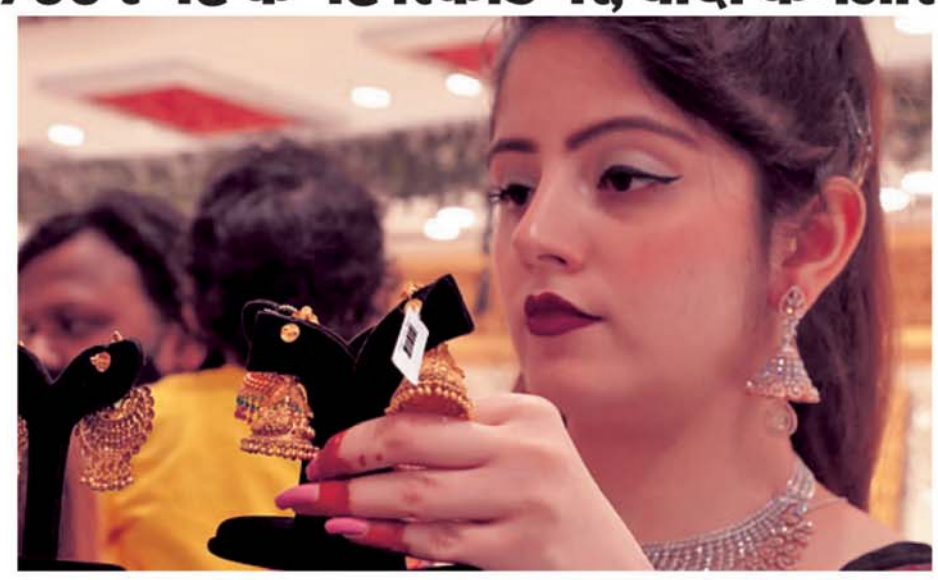

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना चांदी सुस्त

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। ष्टश्वद्ध× पर सोना 2,662.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 2,666 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 4.20 डॉलर की गिरावट के साथ 2,661.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव 32 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला क्लोजिंग प्राइस 31.94 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.35 डॉलर की गिरावट के साथ 31.65 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। आभूषण विक्रेताओं की लगातार खरीदारी तथा विदेशी बाजारों में मजबूत रुख के कारण सोमवार को सोने की कीमत 250 रुपए बढ़कर 78,700 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए। शुक्रवार को सोना 78,450 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 200 रुपए की गिरावट के साथ 94,000 रुपए प्रति किलोग्राम रह गई, जो शुक्रवार को 94,200 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी। इस बीच, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 200 रुपए की तेजी के साथ 78,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।

Ola Electric के खिलाफ 10,000 से ज्यादा शिकायतें

CCPA ने थमाया नोटिस

बिजनेस डेस्कः ओला इलेक्ट्रिक के ई-स्कूटर के खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। कंपनी को ग्राहकों की शिकायतों और भ्रामक विज्ञापन के कारण केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उपभोक्ताओं ने सेवा में कमी, उत्पाद से जुड़ी समस्याओं और खराब ग्राहक सेवा को लेकर 10,000 से अधिक शिकायतें दर्ज की हैं। इन मुद्दों की गंभीरता के चलते CCPA ने कंपनी से 15 दिनों में जवाब मांगा है। इस विवाद की शुरुआत स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए हुई, जिसमें ओला डीलरशिप के बाहर कई ई-स्कूटर धूल खा रहे थे। इसके बाद कामरा और ओला इलेक्ट्रिक के सीईओ भाविश अग्रवाल के बीच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर तीखी नोकझोंक हुई, जिसमें अग्रवाल ने कामरा पर पेड ट्वीट का आरोप लगाया।

सोमवार को शेयर गिरे थे

शेयर भी इस विवाद के बीच गिरावट का सामना कर रहे हैं। सोमवार को इसके शेयर 8.31त्न गिरकर 90.82 रुपए पर बंद हुए थे और अपने सर्वकालिक उच्च स्तर से अब तक 43त्न गिर चुके हैं। आज मंगलवार को भी इसके शेयर में गिरावट जारी है। आज यह 1.74 फीसदी गिरकर 89.24 रुपए पर आ गया है। सोमवार को बीएसई में यह 99.06 रुपए पर खुला था। ऊंचे में यह 99.99 रुपए तक गया और नीचे में 89.71 रुपए तक गया था। बाजार बंद होने के समय इसके शेयर 90.82 रुपए बंद हुए थे। यह एक दिन पहले के मुकाबले 8.31 फीसदी नीचे है।

अब कार खरीदने का सपना होगा पूरा कंपनियों ने दिए बंपर डिस्काउंट

बिजनेस डेस्कः अगर आप खरीदने की सोच रहे हैं तो इस फेस्टिव सीजन आपका सपना पूरा हो सकता है। त्योहारों के मौजूदा सीजन में कार कंपनियों ने विभिन्न मॉडलों पर आकर्षक डिस्काउंट और बेनिफिट्स की पेशकश की है, जो 10 हजार से लेकर 3 लाख रुपए तक पहुंच रहे हैं। पिछले महीने की तुलना में कुछ मामलों में यह डिस्काउंट 680त्न यानी 7.5 गुना अधिक है, जिससे बिक्री में तेजी आने की उम्मीद है। पिछले साल त्योहारों के दौरान रिकॉर्ड 5.5 लाख कारें बिकीं थीं और इस साल ये रिकॉर्ड टूटने की संभावना जताई जा रही है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने डिस्काउंट में आक्रामक बढ़ोतरी की है। कंपनी ने अपने थार मॉडल पर कुल बेनिफिट्स बढ़ाकर 1.5 लाख रुपए तक कर दिया है, जबकि पिछले महीने ये बेनिफिट्स सिर्फ 20,000 रुपए थी। इसी तरह होंडा कार्स इंडिया ने अमेज मॉडल पर बेनिफिट्स को 96,000 रुपए से बढ़ाकर 1.12 लाख रुपए कर दिया है, जबकि सिटी पर भी यह 88,000 रुपए से बढ़कर 1.14 लाख रुपए हो गया है।

ग्राहकों की बढ़ती रुचि

अक्टूबर के पहले हफ्ते में, कार शोरूम्स में ग्राहकों की संख्या चार गुना बढ़ गई है। अक्टूबर में दशहरा और दीवाली जैसे बड़े त्योहारों के दौरान कार कंपनियां साल की 40त्न तक गाड़ियां बेचती हैं और इस साल की बिक्री में तेजी आने के संकेत मिल रहे हैं।

पिछले साल का रिकॉर्ड

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल नवरात्र से लेकर दिवाली तक सिर्फ 24 दिन में 5,47,247 कारें बिकी थीं। कार डीलरों और ऑटोमोबाइल कंपनियों का मानना है कि इस साल त्योहारी सीजन में पिछले साल से ज्यादा गाड़ियां बिक सकती हैं।

एशियाई विकास बैंक ने महाराष्ट्र में तटीय संरक्षण के लिए 42 मिलियन डॉलर के ऋण को मंजूरी दी, ये है लक्ष्य

नई दिल्ली एडीबी ने कहा कि महाराष्ट्र में इस ऋण के इस्तेमाल से सतत जलवायु-लचीलेपन के लिए तटीय संरक्षण और प्रबंधन परियोजना के तहत अपतटीय चट्टानें, शीट पाइल्स, समुद्र तट पोषण और वनस्पति रोपण जैसे काम किए जाएंगे ताकि समुद्र तट की स्थिति को बहाल और स्थिर रखा जा सके। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने महाराष्ट्र में तटीय और नदी तट संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करने के लिए 42 मिलियन अमरीकी डालर के ऋण को मंजूरी दी है । एडीबी के एक आधिकारिक बयान के अनुसार , स्वीकृत ऋण स्थानीय समुदायों और प्राकृतिक संरक्षण पारिस्थितिकी तंत्रों के लचीलेपन को बढ़ाने में मदद करेगा। एडीबी ने कहा कि महाराष्ट्र में इस ऋण के इस्तेमाल से सतत जलवायु-लचीलेपन के लिए तटीय संरक्षण और प्रबंधन परियोजना के तहत अपतटीय चट्टानें, शीट पाइल्स, समुद्र तट पोषण और वनस्पति रोपण जैसे काम किए जाएंगे ताकि समुद्र तट की स्थिति को बहाल और स्थिर रखा जा सके। एडीबी जल संसाधन विशेषज्ञ मैरी एल%होस्टिस ने कहा, फ्यह परियोजना अपतटीय रीफ निर्माण और चट्टान संरक्षण कार्यों जैसे नए इंजीनियरिंग हाइब्रिड दृष्टिकोणों को अपनाने के लाभों से संबंधित है। इसके साथ ही समुद्र तट और टीलों के पोषण जैसे नरम प्रकृति-आधारित समाधान भी इसके जरिए हासिल किए जा सकेंगे।

त्योहारों पर लोन सस्ता होगा या महंगा फैसला 9 को, राहत के लिए रियल एस्टेट उद्योग की नजर आरबीआई पर

मुंबई आरबीआई की हर दो महीने में होने वाली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक सोमवार यानी 7 अक्टूबर से शुरू हो गई। एमपीसी के चेयरमैन और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास बुधवार यानी 9 अक्तूबर को तीन दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों का एलान करेंगे। आम आदमी, शेयर बाजार और निवेशकों को उम्मीद है कि आरबीआई ब्याज दर घटाकर लोन सस्ता करेगा, लेकिन जानकारों की राय इससे अलग है। आरबीआई की हर दो महीने में होने वाली मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी (एमपीसी) की बैठक सोमवार यानी 7 अक्टूबर से शुरू हो गई। एमपीसी के चेयरमैन और आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास बुधवार यानी 9 अक्तूबर को तीन दिवसीय बैठक में लिए गए फैसलों का एलान करेंगे। आम आदमी, शेयर बाजार और निवेशकों को उम्मीद है कि आरबीआई ब्याज दर घटाकर लोगों को सस्ता लोन उपलब्ध कराने का रास्ता खोलेगा, लेकिन जानकारों का मानना है कि केंद्रीय बैंक फिलहाल ऐसे किसी फैसले से परहेज करेगा।

खुदरा महंगाई अब भी केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का सबब

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार खुदरा महंगाई अब भी केंद्रीय बैंक के लिए चिंता का सबब है। दूसरी ओर, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने का असर कच्चे तेल और जिंस की कीमतों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में ब्याज दरों में कटौती का कोई फैसला लिया जाएगा इसकी उम्मीद कम है। रियल एस्टेट उद्योग का कहना है कि रियल एस्टेट के जानकारों का कहना है कि देश में दशहरा, धनतेर ऐसे शुभ दिन अथवा अवसर होते हैं जब लोग अपने नए घरों की बुकिंग के साथ घरों की खरीदारी करते हैं। यदि आरबीआई ब्याज दरों को बढ़ाती है, तो होम लोन की किश्तें बढ़ जाएगी और लोग खरीदारी से पीछे हट सकते हैं। यदि ब्याज दरों में कटौती होती है तो सभी सेक्टर को लाभ होगा।

72% ग्राहकों ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से बढ़ाई खरीदी की रफ्तार

छोटे शहरों में तेजी से बढ रहा बाजार

नई दिल्ली फिक्की और डेलॉय की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-कॉमर्स क्षेत्र दूसरे व तीसरे स्तर के शहरों में तेजी से बाजार बढ़ा रहा है। मध्यम वर्ग के लोगों की आय में इजाफा हो रहा है। मोबाइल फोन और इंटरनेट के बढ़ने के कारण देश के छोटे इलाकों में भी अब ई-कॉमर्स से खरीदने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 72 फीसदी ग्राहकों का मानना है कि उन्होंने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से अपनी खरीदी बढ़ा दी है। 21 फीसदी ने कहा, वे पहले की ही जितना खरीदी कर रहे हैं। सात फीसदी ने हालांकि कम शॉपिंग की है। फिक्की और डेलॉय की सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि ई-कॉमर्स क्षेत्र दूसरे व तीसरे स्तर के शहरों में तेजी से बाजार बढ़ा रहा है। मध्यम वर्ग के लोगों की आय में इजाफा हो रहा है। ऐसे में ई-कॉमर्स को इससे मदद मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, ई-कॉमर्स बाजार के 2023 के अंत तक 85 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद थी।

59% ने कहा, कम दाम में मिलता है सामान

रिपोर्ट के अनुसार, 59 फीसदी का मानना है कि ई-कॉमर्स पर कम दाम में अच्छा सामान मिलता है। इसलिए वे खरीदी करते हैं। 59 फीसदी लोग सुविधाओं की वजह से जाते हैं। 56 फीसदी ने कहा, पसंद का सामान न होने पर उन्हें रिटर्न करने में सुविधा मिलती है। 51 फीसदी इसलिए खरीदी करते हैं क्योंकि उनको विशेष ऑफर्स मिलते हैं। सात फीसदी ने कहा, उनकी खरीदी का अनुभव अच्छा है।

45% लोग क्विक कॉमर्स से मंगाते हैं ग्रॉसरी

सर्वे में 45 फीसदी लोगों ने कहा कि वे क्विक कॉमर्स से ग्रॉसरी मंगाते हैं, क्योंकि इसकी डिलीवरी जल्दी होती है। महानगरों में 49 फीसदी तो प्रथम स्तर के शहरों में 47 फीसदी लोग क्विक कॉमर्स से सामान मंगाते हैं। 50 फीसदी महिलाएं भी इसी प्लेटफॉर्म का उपयोग करती हैं। 43 फीसदी पुरुष उपयोग करते हैं।

दो लाख करोड़ डॉलर का होगा उपभोक्ता बाजार -

रिपोर्ट में कहा कि नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और आपूर्ति श्रृंखला दक्षता के लिए एक समर्पित उपभोक्ता क्षेत्र परिषद बनाना चाहिए। इस कदम से हमें दो लाख करोड़ डॉलर के उपभोक्ता बाजार की उपलब्धि हासिल करने की दिशा में प्रेरित कर सकते हैं। उपरोक्त कदमों से हम सुनिश्चित कर सकते हैं कि 2030 तक हम तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार बन जाएं।

पर्सनल केयर, ब्यूटी में 25 फीसदी खरीद ऑनलाइन

रिपोर्ट के अनुसार, होम, ब्यूटी और पर्सनल केयर में 46त्न लोग आधुनिक चैनलों से खरीदी कर रहे हैं। 18त्न सामान्य चैनलों से और 25त्न ई-कॉमर्स के जरिये खरीदी कर रहे हैं। उपभोक्ता और स्वास्थ्य वस्तुओं में 24त्न लोग ई-कॉमर्स का सहारा लेते हैं। 33 फीसदी आधुनिक चैनल का उपयोग करते हैं। जिन लोगों की सालाना आय 24,000 डॉलर से कम है वे महंगाई के कारण कम खर्च कर रहे हैं। जिनकी आय 60,000 डॉलर से ज्यादा है, वे प्रमोशन और छूट पर खरीदारी करने पर जोर देते हैं।

स्वास्थ्य के लिए ज्यादा भाव देने को तैयार

78त्न ग्राहकों का मानना है कि स्वास्थ्य उत्पादों पर वे ज्यादा कीमत देने को तैयार हैं। 63% लोग प्राकृतिक तो 55% लोग आर्गेनिक उत्पादों के लिए ज्यादा कीमत चुकाने को तैयार हैं।

ज्यादातर लोग कमाई का 20त्न तक करते हैं खर्च

सर्वे में 65 फीसदी ने कहा, वे अपनी आय का 20 फीसदी से कम खर्च ऑनलाइन इलेक्ट्रॉनिक्स की खरीदी पर खर्च करते हैं। 37 फीसदी लोग 20 फीसदी से ज्यादा खर्च करते हैं। 45 फीसदी भारतीयों का विश्वास स्थानीय ब्रांड पर है।

एफएमसीजी चौथा सबसे बड़ा क्षेत्र

भारतीय अर्थव्यवस्था में एफएमसीजी चौथा सबसे बड़ा क्षेत्र है। 2023 में यह 144 अरब डॉलर का था।

संक्षिप्त समाचार

सौर सुजला योजना से प्रेमसिंह प्रगतिशील किसान के रूप में बना रहे अपनी पहचान

कोरबा। सौर ऊर्जा के उपयोग से कृषकों के उत्पादन क्षमता में वृद्धि के फलस्वरूप उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। सौर सुजला योजनांतर्गत रियायती दर पर किसानों को उपलब्ध हुए सोलर पंप से उन्हें सिंचाई का बेहतरीन विकल्प मिला है। जो किसानों के जीवन की आर्थिक व सामाजिक स्थिति बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। साथ ही योजना के सफल क्रियान्वयन से कृषकों की मनोवृत्ति में भी परिवर्तन आया है। अब ग्रामीण किसान कृषि के एक सीमित दायरे से निकलकर अन्य मुनाफा देने वाली फसल का उत्पादन कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखण्ड के दूरस्थ गांव पतुरियाडाँड़ के किसान श्री प्रेम सिंह पैंकरा ने क्रेडा विभाग की योजना का लाभ लेकर अपने खेत मे सोलर पंप लगवाया है, जिससे उन्हें कृषि कार्य में बहुत सहूलियत मिल रही है। प्रेम सिंह ने बताया कि सोलर पंप लगने के पूर्व उनके सामने सिंचाई की बड़ी समस्या थी फसलों की सिंचाई के लिए उन्हें अस्थाई बिजली कनेक्शन के माध्यम से व्यवस्था करनी पड़ती थी। अक्सर उनके गांव में कम वोल्टेज की समस्या बनी रहती थी साथ ही खेतों तक बिजली लाइन नही पहुँची थी। जिससे उनके खेत मे सिंचाई की कोई अन्य उपाय नही था। इस कारण वे बरसात के बाद चाहकर भी अन्य फसल नही ले पाते थे। सोलर पंप के माध्यम से सिंचाई की सुलभ सुविधा को देखकर उन्होंने क्रेडा विभाग में सोलर पंप के लिए आवेदन दिया। आवश्यक दस्तावेजो की पूर्ति एवं राशि जमा करने के साथ ही उनके खेत मे 3 एचपी का सोलर पंप लगाया गया। सोलर पंप सूरज की रोशनी से चलती है, इसलिए उन्हें अब बिजली बिल जमा करने का झंझट से निजात और बिजली गुल होने की परेशानी से मुक्ति मिली है। कृषक ने कहा कि सोलर पंप छोटे किसानों के लिए बहुत ही लाभदायक है।

कैबिनेट मंत्री ने योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विभागीय अधिकारियों की ली बैठक

कोरबा। छत्तीसगढ़ षासन के आदिम जाति विकास, अनुसूचित जाति विकास, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण विभागमंत्री श्री रामविचार नेताम ने अपने कोरबा प्रवास के दौरान कटघोरा विश्राम गृह में आदिम जाति विभाग, कृषि, उद्यानिकी सहित अन्य विभाग के अधिकारी की बैठक लेकर अधिकारियों से विभागीय कार्य के संबंध में चर्चा की गई एवं योजनाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग, उपसंचालककृषि, जिला प्रबंधक छ.ग. राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम, सहायक संचालक उद्यान एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री श्री नेताम द्वारा सभी विभागीय अधिकारियों को अपने कार्यालय के सामने विभिन्न योजनाओं की जानकारी बड़े बैनर पोस्टर में लगाने के लिए निर्देशित किया गया। जिससे ज्यादा से ज्यादा हितग्राहियों को योजनाओं की जानकारी एवं लाभ मिल सके। उन्होंने सहायक आयुक्त आदिम जाति कल्याण विभाग को बालक व बालिकाओं के मॉडल छात्रावास के रूप में एवं डीएमएफ से निर्मित बिल्डिंग का लिस्ट बनाकर लोकार्पण कराने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कृषि विभाग अंतर्गत पीएम सम्मान निधि योजना केप्रगति पर संतोष जाहिर की गई। उपसंचालक कृषि द्वारा जिले में नए धान खरीदी केन्द्र के मांग के संबंध में कैबिनेट मंत्री को अवगत कराया गया। मंत्री श्री नेताम ने उद्यान विभाग के समीक्षा करते हुए विकासखण्ड पाली के शासकीय उद्यान रोपणी पोड़ीलाफा को मॉडल नर्सरी के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। साथ ही रोपणी में पानी, सूक्ष्म सिंचाई जैसे अन्य मूलभूत सुविधाओ का उचित व्यवस्था करने के लिए कहा।

दूरस्थ क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने डीएमएफसे 54 लाख से अधिक राशि की दी गई स्वीकृति

कोरबा। कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने हेतु डीएमएफमद से 54 लाख से अधिक राशि की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिससे दूरस्थ इलाकों के विद्युत विहीन क्षेत्र, अतिरिक्त ट्रांसफार्मर की आवश्यकता, लो-वोल्टेज व सिंगल फेज की समस्या वाले विभिन्न गांवों के पारा-मोहल्ला मजरा टोला लाभान्वित होंगे। स्वीकृत कार्यों में संचार संधारण संभाग सीएसपीडीसीएल कटघोरा अंतर्गत ग्राम पसान में 63 केवीए विद्युत वितरण के लिए 01 नग अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने हेतु 7,81,803 रुपए की स्वीकृति दी गई है। इसी प्रकार ग्राम पाठा के मजराटोला ठाकुदरदेव को विद्युतीकृत करने हेतु 3,88,965 रूपए एवं मजराटोला कोयलारगडरा व भुगजगकछार को विद्युतीकृत करने हेतु 22,16,810 रूपए, ग्राम मेरई के मजराटोला मुड़मिसनी को विद्युतीकृत हेतु 4,20,944 रूपए, ग्राम धनवारा के मजराटोला अमेरकाछार में विद्युत व्यवस्था हेतु 5,04,819 रूपए, ग्राम मेरई के मजराटोला कराडांड को विद्युतीकृत।

उपमुख्यमंत्री ने आवास मेले में 36 हजार से ज्यादा परिवारों को दी आवास की सौगात

प्रधानमंत्री आवास योजना सपनों को साकार करने वाली योजना

- हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र और घर की चाबी सौंपी, त्यौहारों के मौसम में खुशियां हुई दोगुनी
- 33019 परिवारों को पहली किस्त की 132 करोड़ रूपए से अधिक की राशि जारी

बिलासपुर/संवाददाता

उपमुख्यमंत्री श्री अरूण साव आज स्व.लखीराम अग्रवाल ऑडिटोरियम में आयोजित आवास मेले में शामिल हुए। उन्होंने जिले के 36 हजार 663 आवासहीन ग्रामीण परिवारों को आवास का स्वीकृति पत्र देकर खुशियों की गारंटी दी। प्रतिपक्ष श्री राजेश राणा, कलेक्टर श्री अवनीश शरण, नगर निगम कमिश्नर श्री अमित कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री आरपी चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बडी संख्या में आवास योजना के हितग्राही मौजूद थे। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी लगातार लोगों की बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। गांव, गरीब, किसान सरकार की प्राथमिकता में हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने 13 दिसम्बर को शपथ ली और 14 दिसम्बर को 18 लाख प्रधानमंत्री आवास के कार्यो की स्वीकृति दी। हमारी सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिन 25 दिसंबर को 12 लाख किसानों के खातों में 3 हजार 716 करोड़ रूपए बोनस की राशि अंतरित की। विगत 5 वर्षो में प्रधानमंत्री आवास योजना का एक भी काम नही किया गया था लेकिन हमारी सरकार ने यह काम फिर से शुरू किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में सरकार गांव, गरीब, किसान की तरक्की के लिए प्रतिबद्ध है। आवास योजना में हितग्राहियों को 90 दिन का मनरेगा से रोजगार भी मिलता है। उप मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में आवास योजना में बेहतर काम करने वाले कर्मचारियों को भी सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक श्री धर्मजीत सिंह ने कहा कि 10 साल पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने और उन्होंने लोगों के सपनों को पूरा करने की दिशा में काम किया। अपना घर अपना होता है और जब किसी को पक्का घर मिलता है तो उसकी जिंदगी का एक मकसद पूरा होता है और पूरे देश में लोगों का यह मकसद पूरा करने का काम प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। उन्होंने 18 लाख आवास देने की गारंटी दी और यह मोदी की गारंटी थी जो पूरी हुई। कार्यक्रम की शुरूआत में कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने स्वागत भाषण दिया।

उपमुख्यमंत्री ने जिनके आवास पूर्ण हो चुके हैं उन्हें प्रतीकात्मक रूप से घर की चाबी भी भेंट की। हितग्राहियों के चेहरों की चमक देखते ही बनती थी। त्यौहारों के मौसम में उनकी खुशियां दोगुनी हो गयी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हर व्यक्ति का सपना होता है कि उसका स्वयं का मकान हो। प्रधानमंत्री आवास योजना लोगों के सपनों को साकार करने वाली योजना है। हर गरीब का सपना सरकार का सपना बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय लोगों के लिए आवास का सपना पूरा करने का काम कर रहे हैं। इस वर्ष जिले में 33 हजार 19 हितग्राहियों को आवास योजना के तहत 132 करोड़ रूपए से ज्यादा की राशि स्वीकृत की गई है। राज्य सरकार द्वारा 18 लाख आवासहीन परिवारों को आवास की सौगात दी जा रही है। कार्यक्रम में तखतपुर विधायक श्री धर्मजीत सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री रामदेव कुमावत, निगम नेता

जरूरतमंद परिवारों का पक्के आवास का सपना हुआ साकार-भागबली....

- मिली खुशियों की चाबी, सरकार का जताया आभार

बिलासपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्का घर और स्वीकृति पत्र मिलने से उन परिवारों के चेहरे खिल उठे जो अब तक कच्चे घर की दिक्कतों से जूझ रहे थे। प्रधानमंत्री आवास योजनासे निर्धन परिवारों को कच्चे आवास से मुक्ति मिल रही है। योजना के हितग्राहियों ने सरकार का आभार जताया है। योजना से लाभान्वित ग्राम काठा कोनी निवासी किसान श्री भागबली ने बताया कि अब उन्हें कच्चे घर की परेशानियों से छुटकारा मिल गया है और परिवार पक्के आवास में खुशी से रह रहा है, उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया। मुड़पार के हितग्राही श्री राजेंद्र कुमार भी पक्का घर मिलने से गदगद हैं , और सरकार का आभार जताते नहीं थकते। ग्राम काठाकोनी निवासी श्रीमती जवलती सूर्यवंशी और कौशल्या बाई ने पक्का घर देने के लिए सरकार को धन्यवाद दिया। इनका कहना है कि अब उन्हें कच्चे घर की मुश्किलों से छुटकारा मिल जाएगा। ग्राम कौड़ियां, मस्तूरी की श्रीमती कांति बाई पक्का घर मिलने से बेहद खुश है कांति बाई ने शासन का आभार जताते हुए कहा कि हम जैसे गरीब परिवारों के लिए पक्का घर किसी सपने से कम नहीं है। लेकिन सरकार ने उनका पक्के घर का सपना पूरा कर दिया है। सरकार कि संवेदनशील योजना के लिए हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री का आभार जताया।

ग्राम महमंद में अवैध प्लॉटिंग के विरुद्ध तोड़फोड़ की कार्रवाई.....

बिलासपुर। कलेक्टर श्री अवनीश शरण के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलासपुर पीयूष तिवारी एवं नायब बिलासपुर राहुल शर्मा के द्वारा ग्राम पंचायत महमंद मे खसरा नंबर 151/217 पर बड़े पैमाने पर हो रहे अनाधिकृत विकास एवं अवैध कालोनी निर्माण पर बुलडोजर चलाया गया। एसडीएम श्री पीयूष ने बताया कि उक्त खसरा नंबर पर अवैध प्लाटिंग की जानकारी प्राप्त होने पर नायब तहसीलदार के द्वारा अवैध प्लाटिंग के संबंध मे जांच प्रतिवेदन प्रेषित किया गया। उपरोक्त निरीक्षणाधीन भूमि के विभाजन के लिए कार्यालय नगर एवं ग्राम निवेश से अनुज्ञा प्राप्त नहीं की गयी है। उपरोक्त भूमि पर कोई आंतरिक एवं बाह्य विकास कार्य (यथा प्रस्तावित मार्ग, समतलीकरण, बाउंड्रीवाल, नाली, उपखंडो का चिन्हांकन) सक्षम प्राधिकारी की अनुमती से नहीं किया गया है। ये भूमि छग भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत व्यपवर्तित भूमि नहीं है।उपरोक्त निरीक्षणाधीन भूमि का उपविभाजन करने वाले व्यक्ति के द्वारा कालोनी निर्माण हेतु कॉलोनाइजर के रूप में सक्षम अधिकारी से पंजीयन नही कराया गया है। जिस पर संज्ञान लेते हुए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बिलासपुर के द्वारा भूमि स्वामी हुसैन अली को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया एवं निर्धारित समय सीमा पर संतोषप्रद जवाब नहीं मिलने एवं किसी भी प्रकार का विधिक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराने पर अवैध प्लाटिंग की विरुद्ध कार्रवाई की गई और आगे भी इस प्रकार की कार्यवाही जारी रहेगी।

एनटीपीसी कोरबा ने की एक नई पहल, मोबाइल मेडिकल यूनिट का कोरबा कलेक्टर के द्वारा किया उदघाटन

कोरबा। कोरबा जिला क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कोरबा जिला अजीत वसंत द्वारा 7 अक्टूबर को मोबाइल मेडिकल यूनिट का उद्घाटन किया गया। यह पहल, एनटीपीसी कोरबा द्वारा नैगम समाजिक दायित्व के अंतर्गत का एक पहलु है, जिसका उद्देश्य वंचितों समुदायों को आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान करना है।उक्त उद्घाटन समारोह कोरबा के कलेक्टरेट में हुआ, जिसमें राजीव खन्ना, परियोजना प्रमुख, विनोद कोल्हटकर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी शशि शेखर, एनटीपीसी कोरबा के मानव संसाधन प्रमुख शशांक छाजेड़, वरिष्ठ प्रबंधक, सीएसआर, साथ ही एनटीपीसी कोरबा की समर्पित सीएसआर विभाग आदि के गणमान्य नागरिक विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल थे। कोरबा जिला कलेक्टर अजीत वसंत ने इस पहल के महत्व पर जोर दिया, जो विशेष रूप से दूरदराज के क्षेत्रों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं में अंतर को पाटने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच एक मौलिक अधिकार है, और मोबाइल मेडिकल यूनिट के शुभारंभ के साथ, हम यह सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं कि सबसे दूरदराज के समुदायों को भी समय पर चिकित्सा सहायता मिले।

पंचायत बना रहा 30 फीट का रावण धूमधाम से मनेगा विजयादशमी पर्व

- बरसों की परंपरा आज भी कायम गांव के गौटिया करते हैं रावण दहन

बिलासपुर। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक, भगवान राम जब 14 साल का वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे थे, तब अयोध्यावासियों ने उनकी खुशी में घी के दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। इस दिन कार्तिक महीने की अमावस्या थी, इसलिए इस दिन दीप जलाने का महत्व है। दिवाली पर भगवान विष्णु की पत्नी लक्ष्मी की पूजा की जाती है। लोग मानते हैं कि लक्ष्मी माता धन, समृद्धि और सौभाग्य की देवी हैं। दिवाली को असत्य पर सत्य और अंधकार पर प्रकाश की जीत के रूप में मनाया जाता है यह मर्यादा, सत्य, कर्म और सद्भाव का संदेश देता है। ग्राम पंचायत बेलतरा में बरसों से चली आ रही परंपरा के अनुसार इस बार भी धूमधाम से मनाया जाएगा विजयादशमी पर्व। इस बार पंचायत द्वारा 30 फीट का रावण तैयार किया जा रहा है,जिसका परंपरा अनुसार गांव के गौटिया सोनी परिवार स्वर्गीय कृष्ण कुमार सोनी के जेष्ठ पुत्र आशीष सोनी (राजू भांजा वकील) के उद्बोधन एवं रामलीला समापन के पश्चात राम दल के साथ रावण दहन किया जायेगा। कार्यक्रम का आयोजन बेलतरा हाई स्कुल मैदान में किया जाएगा। ग्राउंड में ही पंचायत द्वारा रावण तैयार किया जा रहा है। ग्राम पंचायत बेलतरा द्वारा बरसों से सार्वजनिक दशहरा महोत्सव का आयोजन किया जाता रहा है, जिसमें गांव ही नहीं बल्कि अंचल के लोग भी शामिल होते है। राम लीला, रावण दहन और आतिशबाजी को देखने दूर दराज से लोग पहुंचते है। विजयादशमी पर्व के अवसर पर इस बार भी पंचायत द्वारा खास तैयारी की जा रही है। आयोजन बेलतरा पंचायत सरपंच श्रीमती ईश्वरी रामरतन कौशिक, सचिव व सभी पंचो के सहयोग से कार्यक्रम किया जायेगा। शाम 6 बजे राम लीला टोली व अतिथियों का आगमन होगा, अतिथियों के उद्बोधन के बाद बरसो से चली आ रही परंपरा अनुसार रामलीला का आयोजन किया जायेगा।

काम में ढिलाई पर डीपीओ को नोटिस कलेक्टर शरण ने की फ्लैगशीप योजनाओं की समीक्षा.....

- लखपति दीदियों द्वारा निर्मित सामान खरीदें शासकीय विभाग
- मनरेगा डबरियों में मछलीपालन के लिए बनेगी कार्य-योजना

बिलासपुर। कलेक्टर अवनीश शरण ने अधिकारियों की बैठक लेकर राज्य सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने सुकन्या समृद्धि योजना के क्रियान्वयन में ढिलाई बरतने पर महिला एवं बाल विकास विभाग के डीपीओ सुरेश सिंह को शो कॉज नोटिस जारी किए। पीएम जनमन योजना के अंतर्गत बैगा बिरहोर जैसे अत्यंत पिछडें आदिवासी समूह के पात्र बच्चों को सुकन्या समृद्धि योजनाओं का लाभ दिलाने में लापरवाही दिखाई गई है। समग्र रूप से जल जीवन मिशन, स्वास्थ्य तथा महिला एवं बाल विकास विभाग में योजनाओं में संतृप्ति स्तर का लक्ष्य पाने में और तेजी से काम करने के कड़े निर्देश दिए। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ रामप्रसाद चौहान सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने राज्य शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वन में पिछले 10 दिनों में क्या प्रगति हुई, इसकी जानकारी ली। राजस्व विभाग के अंतर्गत नक्शा बटांकन के कामों में धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने राजस्व अधिकारियों को साप्ताहिक लक्ष्य देकर समीक्षा करने कहा है। टीएल के पूर्व

कलेक्टर एसडीएम एवं अपर कलेक्टरों की बैठक अलग से बैठक लेकर समीक्षा करेंगे। कलेक्टर ने धान खरीदी की तैयारी की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसानों को पंजीयन कार्य में किसी तरह की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। देखें कि पंजीयन में किसी तरह की फर्जीवाड़ा नहीं होने चाहिए। उन्होंने नरेगा योजना के तहत मजदूरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। फिलहाल मात्र 2000 मजदूरों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास के निर्माण शुरू हो जाने पर मानव दिवस बढ़ने चाहिए। मनरेगा के तहत बने डबरियों में मछलीपालन की कार्य-योजना बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने एक बार फिर दोहराया कि आवास निर्माण में स्वीकृति से लेकर अंतिम किस्त मिलने तक किसी भी स्तर पर गड़बड़ी स्वीकार नहीं की जायेगी। दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर ने कहा कि लखपति दीदियों द्वारा कई प्रकार की सामग्रियों का उत्पादन किया जा रहा है। सभी अधिकारी अपने कार्यालय, स्कूल एवं हॉस्टल में उपयोग के लिए जरूरत की चीजें इन्ही दीदियों से खरीदना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जोगीपुर में बन रहे गो अभ्यारण्य की प्रगति की भी समीक्षा की। प्रथम चरण में 100 गायों से शुरूआत की जायेगी। नलकूप खनन एवं समतलीकरण का कार्य किया जा चुका है। आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में भी थोड़ी तेजी आई है। ओटीपी आधारित निर्माण के साथ-साथ बायोमेट्रिक्स मशीन के जरिए इनका निर्माण शुरू किया गया है।

पुल का आधा हिस्सा और एप्रोच रोड बहा आवागमन में परेशानी

कोरबा। विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत घोघरा नाला पर बना पुल निर्माण के बाद दो साल भी नहीं टिका है। पुल का आधा हिस्सा और इसके दोनों ओर स्थित एप्रोच रोड बह गया है। इससे ग्रामीणों का मुय मार्ग से संपर्क टूट गया है। आने-जाने में उन्हें काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी न हो, इसे देखते हुए ग्राम पंचायत अड़सरा अंतर्गत स्थित घोघरा नाला में पुल का निर्माण किया गया था। पुल पिछले दिनों हुई बारिश में बह गया है। इससे गांव का संपर्क टूट गया है। विकासखंड पोड़ी उपरोड़ा अंतर्गत ग्राम पंचायत अड़सरा में आश्रित ग्राम घाघरा स्थित है। गांव में पहाड़ी पंडो के 23 परिवार रहते हैं। उन्हें जल्के और तनेरा की ओर जाने के लिए घोघरा नाला पर बने पुल को पार करना होता है। ग्रामीणों की मांग पर पूर्व की सरकार ने जिला प्रशासन की ओर से घोघरा नाला पर पुल का निर्माण किया गया था। दो साल भी पूरा नहीं हुआ है कि पुल बारिश में बह गया है। इसके दोनों ओर स्थित एप्रोच रोड की मिट्टी भी पानी के साथ बहकर आगे निकल गई है। अब नाले में पुल का एक हिस्सा ही नजर आ रहा है। इसका दूसरा हिस्सा गायब है। ग्रामीणों ने बताया कि इसी रास्ते से होकर ग्राम के लोग या स्कूलों में पढने वाले विद्यार्थी आना-जाना करते हैं।

स्वात्वाधिकारी श्रीमती योगिता साहू के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक तरुण कुमार साहू द्वारा एमबीएम प्रिंटर्स, महामाया रेजिडेंशियल शिव मंदिर कोनी बिलासपुर से मुद्रित कर महामाया रेजिडेंशियल शिव मंदिर कोनी बिलासपुर छत्तीसगढ़ पिन कोड 495009 से प्रकाशित । संपादक तरुण कुमार साहू (पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार) आरएनआई नं.-CHHHIN/2009/34957 फोन : 07752-223678 dainiktarunpath@gmail.com- tarunpath@ymail.com